दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

आज का विचार

इंसान नहीं बोलता,
उसके दिन बोलते हैं।
जब दिन नहीं बोलते,
इंसान लाख बोले
उसकी कोई नहीं सुनता।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 24 जून, 2025 वर्ष 23, अंक 154, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हरियाणा में महिला सुरक्षा के लिए सार्वजनिक परिवहन वाहनों में लगेगा वाहन स्थान ट्रैकिंग डिवाइस

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने राज्य में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए प्रदेश के सभी सार्वजनिक परिवहन वाहनों को वाहन स्थान ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) से युक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई परिवहन विभाग की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना को समयबद्ध ढंग से लागू किया जाए और टाइमलाइन तय की जाए। उन्होंने कहा कि विभागवार या जिलावार लक्ष्य निर्धारित करके इस कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस प्रणाली को आपातकालीन प्रणाली 112 सेवा के साथ एकीकरण भी किया जाए। यह पहल राज्य में महिलाओं के लिए सुरक्षित यातायात व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

बैठक में बताया गया कि वीएलटीडी प्रणाली सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्भया फ्रेमवर्क के अंतर्गत विकसित की गई है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, जो वास्तविक समय, स्थान डेटा और आपातकालीन चेतावनी सुविधाएं प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। सड़क

दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दुर्घटनाओं के कारणों का वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाए। प्रत्येक दुर्घटना के पीछे सड़क की स्थिति, ओवरस्पीडिंग, आवारा पशु अथवा अन्य संभावित कारणों की गहराई से जांच की जानी चाहिए, ताकि उन खामियों को दूर कर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से स्कूली वाहनों की फिटनेस की भी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल बसों की नियमित जांच हो तथा उनकी तकनीकी स्थिति पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसके लिए स्कूल संचालकों की एक बैठक जल्द आयोजित की जाए, जिसमें उन्हें इस बारे स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाएं और एक तय समयावधि के बाद निदेर्शों का अनुपालन न करने पर बसों का चालान और जब्त किया जाए। बच्चों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नियमित अंतराल पर रोडवेज के ड्राइवरों से मेडिकल सर्टिफिकेट लिया जाए। यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और ड्राइवरों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया है।

राजस्व घाटा कम करने के लिए अन्य विकल्पों की संभावनाएं तलाशी जाएं

राजस्व घाटे की चुनौती से निपटने हेतु मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विभिन्न नवाचारों और व्यावसायिक संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि अन्य विकल्पों जैसे बसों पर विज्ञापन, पार्सल ट्रांसपोर्टेशन या पीपीपी मोड पर बस स्टैंड की स्थापना इत्यादि की संभावनाएं तलाशी जाएं। इसके अलावा, टूरिस्ट स्पॉट्स के लिए बसों की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा देने के भी विकल्प तलाशी जाएं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में लोगों की सुविधा के लिए एसी बसों की संख्या और उनके रूट्स की संख्या भी बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने सिटी बस सेवा की समीक्षा करते हुए इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए। साथ ही, चार्जिंग स्टेशनों की भी व्यवस्था की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि सिटी बस सेवा योजना के तहत 375 ई बसों की खरीद प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा, पीएम ई बस सेवा योजना के तहत भी 250 ई बसों की खरीद के लिए आगामी कार्रवाई में तेजी लाई जा रही है। वर्तमान में 9 शहरों में सिटी बस सेवा संचालित की जा रही है। बैठक में बताया गया कि राज्य में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आधुनिक सुविधाओं से युक्त चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीडीआर) की स्थापना और विस्तार पर बल दिया जा रहा है। इन संस्थानों का उद्देश्य सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं को बढ़ावा देना, पेशेवर चालकों को प्रशिक्षित करना और यातायात प्रबंधन से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देना है। वर्तमान में बहादुरगढ़, रोहतक, कैथल और करनाल में 4 आईटीडीआर संचालित हैं। इसके अलावा, नूंह, फरीदाबाद और भिवानी में 3 नए आईटीडीआर की स्थापना की प्रक्रिया जारी है। साथ ही, क्षेत्रीय चालक प्रशिक्षण केंद्र (आरडीटीसी) के तहत गुरुग्राम में एक क्षेत्रीय चालक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना पर भी तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा के तहत अब तक 20 लाइसेंस प्रदान किए गए हैं, जिनमें से 8 स्कैपिंग सेंटर संचालित हैं। इसके अलावा, स्वचालित परीक्षण स्टेशन (ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन) की स्थापना प्रक्रिया जारी है। 1 अप्रैल 2025 से सभी परिवहन वाहनों की फिटनेस की जांच सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुसार केवल स्वचालित परीक्षण स्टेशनों से की जाएगी।

नक्सली हिंसा गरीबों और आदिवासियों के लिए बहुत बड़ी विभीषिका : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ किया संवाद

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन आज नवा रायपुर में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ संवाद किया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, बीएसएफ के महानिदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां उपस्थित केंद्रीय सुरक्षा बलों, कोबरा टीम, छत्तीसगढ़ पुलिस बल और डीआरजी के साहस, शौर्य, बलिदान और समर्पण को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि सुरक्षा बल के जवान अपने शौर्य और परिश्रम से ही नक्सलियों के साथ मुठभेड़ को सफल बनाते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने जिस शौर्य, धैर्य और समर्पण के साथ माओवादियों के बनाये अड्डों को तहस-नहस किया है, उसने विश्व के

सभी सुरक्षा बलों को आश्चर्यचकित कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है कि सेना के जवान जो तय करते हैं, वो हासिल करते हैं। सुरक्षा बलों के इसी भरोसे से मैं देश में 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद गरीब आदिवासी क्षेत्र के लिए बड़ी विभीषिका रही है, जिससे पिछले 35 साल में लगभग 40 हजार लोगों की मौत हुई है या फिर वो अपाहिज होकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं नक्सलवादी हिंसा ने गरीब आदिवासी तक खाना, बिजली, शिक्षा, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी जैसे मूलभूत सुविधाओं को नहीं पहुंचने दिया और उद्योग को तो भूल ही जाइए। इतने लंबे वर्षों तक इतना बड़ा क्षेत्र गुलामी के कालखंड में जीने को मजबूर रहा। इसका मूल कारण नक्सलवाद है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे आज आनंद है कि आज जिस क्षेत्र से नक्सलवाद खत्म होता है, वहां हमारी सरकार अनाज, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, बिजली, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी पहुंचाकर लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि जब बच्चा हाथ में बंदूक की जगह पेंसिल पकड़कर क, ख, ग लिखता है, तो न सिर्फ एक क्षेत्र का बल्कि पूरे देश का भविष्य संवरता है। यह क्षण जल्द ही आने वाला है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जब 31 मार्च, 2026 को देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, वो क्षण आजादी के बाद का सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब नक्सलवाद के खात्मे का इतिहास लिखा जायेगा, उसमे सुरक्षा बलों के जवानों का त्याग, बलिदान और परिश्रम स्वर्णिम अक्षरों से अंकित होगा।

अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में ह्यलियोर ओयनाह्ल-नक्सलियों द्वारा आदिवासियों के भीषण संहार और बस्तर को बचाने के प्रयासों पर लिखित पुस्तक का लोकार्पण भी किया। नक्सलियों ने जिन मासूम, निहत्थे लोगों को अपनी हिंसा का शिकार बनाया है, उनकी पीड़ा समझने में यह पुस्तक सहायक होनेवाली है। यह पुस्तक ह्यूमन राईट के नाम पर नक्सलियों से संवेदना दिखाने वालों के आँखों के आगे से पर्दा हटाने और उन्हें एक्सपोज करने में भी उपयोगी सिद्ध होगी।

लुधियाना वेस्ट सीट पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत

विस उपचुनाव: आआपा दो, भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल एक-एक सीट पर विजयी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी (आआपा) को दो और भाजपा, कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस को एक-एक सीट पर जीत मिली है। गुजरात की दो, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट पर 19 जून को वोटिंग हुई थी।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक, गुजरात की विसावदर सीट पर आआपा के इटालिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार किरीट पटेल को 17,554 मतों से हराया। इटालिया को 75,942 और पटेल को 58,388 मत मिले। वहीं, कडी (सुरक्षित) सीट पर भाजपा के राजेंद्र कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रमेशभाई चावड़ा को 39,452 मतों से पराजित किया। राजेंद्र कुमार को 99,742 और चावड़ा को 60,290 मत मिले।

केरल की नीलांबूर विधानसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार आर्यादन शौकत ने माकपा उम्मीदवार एम. स्वराज को 11,077 मतों से शिकस्त दी। आर्यादन शौकत को 77,737 और एम. स्वराज को 66,660 मत मिले। निर्दलीय उम्मीदवार पीवी अन्वर तीसरे स्थान पर रहे। उनको कुल 19,760 मत मिले।

पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट से तृणमूल कांग्रेस की अलीफा अहमद ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार आशीष घोष को 50,049 मतों से हराया। अलीफा अहमद को 1,02,759 और आशीष घोष को 52,710 मत मिले। कांग्रेस उम्मीदवार काबिल उद्दीन शेख तीसरे स्थान पर रहे। उनको कुल 28,348 मत मिले।

पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार भरत भूषण आशु को 10,637 मतों से हराया। संजीव अरोड़ा को 35,179 और भरत भूषण को 24,542 मत मिले। भाजपा उम्मीदवार जीवन गुप्ता तीसरे स्थान पर रहे। उनको कुल 20,323 मत मिले।

संवाद से संतुष्ट समाज का निर्माण संभव : ओम बिरला

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को मुंबई में कहा कि भगवान महावीर द्वारा दिया गया 'संवाद से समाधान' का सिद्धांत आज के समय में अत्यंत उपयोगी और आवश्यक है। क्योंकि संतुष्ट समाज का निर्माण सशक्त संवाद से होता है।

ओम बिरला सोमवार को महावीरायतन फाउंडेशन की ओर से यशवंतराव चव्हाण सभागृह में आयोजित 'संवाद से समाधान-एक परिचर्चा' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रश्न, समस्या, विकल्प का समाधान संवाद, चर्चा से ही निकलता है। भारत को दुनिया में लोकतंत्र की अवधारणा के लिए एक आदर्श माना जाता है और 'संवाद से समाधान' का यह सिद्धांत लोकतंत्र की अवधारणा में शामिल है। भारत की लोकतांत्रिक अवधारणा ने निश्चित रूप से हमारे देश की समस्त सांस्कृतिक, भाषाई और भौगोलिक विविधताओं को एक साथ रखते हुए सफलतापूर्वक आगे बढने में बड़ी भूमिका निभाई है। लोकतंत्र का सिद्धांत प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में समाया हुआ है। देश की विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और विविधताओं को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य लोकतंत्र के कारण ही संभव हो पाया है। भारत ने लोकतंत्र की अवधारणा के माध्यम से पिछले 75 वर्षों की यात्रा में एक आदर्श का निर्माण किया है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, हमारे देश की मूल विशेषता और संस्कृति लोकतंत्र है। एक मजबूत लोकतंत्र एक संतुष्ट, संवादशील समाज के निर्माण के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुनिया भी उन देशों पर अधिक विश्वास करती है जिन्होंने लोकतंत्र की अवधारणा को अपनाया है। लोकतंत्र में संवाद का महत्व है। इसलिए गांव स्तर की पंचायत से लेकर देश की संसद तक किसी भी मुद्दे या विषय पर संवाद के माध्यम से चर्चा की जाती है।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति के भाषणों का संकलन आशाओं की उड़ान - खंड 2 का विमोचन किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ह्यविंग्स टू आवर होप्स (वोल्यूम-क्क)ह्ल और हिंदी में ह्यआशाओं की उड़ान (खंड 2) पुस्तकों का विमोचन किया। यह पुस्तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 51 भाषणों का संग्रह है। यह राष्ट्रपति के तौर पर उनके दूसरे वर्ष (अगस्त 2023 - जुलाई 2024) का दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इसमें उनकी दृष्टि, दर्शन और प्राथमिकताएं शामिल हैं।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्यमंत्री एल मुरुगन भी उपस्थित थे। रक्षामंत्री सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मु को महिलाओं के नेतृत्व में विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और कहा कि उन्होंने हमेशा वंचित वर्गों के

सशक्तीकरण के लिए कार्य किया है। उन्होंने पुस्तक को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सरकार के दृष्टिकोण का सार बताया। उन्होंने कहा कि यह संग्रह विविधता, समानता और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, यह पुस्तक हमारी गौरवशाली विरासत को संरक्षित करते हुए प्रगतिशील विचारों के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शक बनेगी। राष्ट्रपति मुर्मु हमारे देश में विविधता के महत्व को जानती हैं और वंचितों के दर्द को पहचानती हैं। यह पुस्तक समानता की भावना का उद्घोष करती है।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति के कुछ विचारों को सरकार की प्राथमिकताएं बताया। प्राथमिकाएं जैसे विरासत के साथ विकास हमारी पहचान है और नैतिकता जीवन का आधार है।

मुख्यमंत्री योगी ने जनपद भदोही भ्रमण के अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया

भारत के कुल कालीन निर्यात में यूपी की 60 प्रतिशत भागीदारी: योगी आदित्यनाथ

संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि जनपद भदोही अपने बेहतरीन हस्तशिल्प के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से यहां के हस्तशिल्पियों को दिये गये प्रोत्साहन का परिणाम है कि यहां का कारपेट उद्योग न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश में भी छा रहा है। इसे जी0आई0 टैग भी मिल चुका है। भारत के कुल कालीन निर्यात में उत्तर प्रदेश की 60 प्रतिशत तथा प्रदेश के कालीन निर्यात में अकेले भदोही जनपद की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यहां पर कारपेट एक्सपो मार्ट बनाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार ने अपना योगदान दिया है। कारपेट उद्योग से जुड़े उद्यमियों तथा हस्तशिल्पियों के लिए अन्य अनेक कार्यक्रम सरकार के स्तर पर प्रारम्भ हुए हैं। उन्हीं कार्यों की समीक्षा के लिए आज वह यहां आए हैं, जिससे भारत की इस प्राचीन हस्तशिल्प कला को और भी प्रोत्साहित किया जा सके तथा उसे प्रभावी ढंग से अन्तरराष्ट्रीय मार्केट में एक नई पहचान दिलायी जा सके।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद भदोही भ्रमण के अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज उन्हें जनप्रतिनिधियों के साथ जनपद भदोही के विकास कार्यों की समीक्षा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने यहां के जनपद हॉस्पिटल तथा 50 बेड के क्रिटिकल केयर सेण्टर की स्थापना कार्यों का निरीक्षण भी किया है। जिला अस्पताल के पुराने भवन के निर्माण के लिए सरकार ने पूरी धनराशि उपलब्ध करा दी है। दिसम्बर, 2025 तक इसे पूर्ण करने का लक्ष्य राजकीय निर्माण निगम को दिया गया है। आने वाले समय में भदोही में भी पी0पी0पी0 मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भदोही जनपद

ने अपने हस्तशिल्प से देश और प्रदेश को एक पहचान दिलाई है। यहां का कारपेट उद्योग आज से 10 वर्ष पहले बहुत खराब स्थिति में था। केन्द्र और राज्य सरकार ने अपने स्तर पर यहां के हस्तशिल्प को प्रोत्साहित किया है। काशी नरेश पी0जी0 कॉलेज में कृषि संकाय बन चुका है। शीघ्र ही इसमें टीचिंग व नॉनटीचिंग स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी। इसे स्टेट यूनिवर्सिटी के रूप में आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन से भूमि की उपलब्धता के सम्बन्ध में कहा गया है। यह जनपद भदोही के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

मुख्यमंत्री जी ने सीतामढ़ी के पास डेंगुरपुर में गंगा नदी पर एक ब्रिज बनाने तथा गोपीगंज-मीरजापुर के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर आर0ओ0बी0 के निर्माण को स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि जनपद मुख्यालय पर एक ऑडिटोरियम का निर्माण पहले से स्वीकृत है, इसे मल्टीपरपज हॉल के रूप में बनाये जाने के लिए जनप्रतिनिधियों ने प्रस्ताव दिया था, जिसे स्वीकृत किया गया है। जनपद मुख्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा को भी प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। जनपद में आउटसोर्सिंग के माध्यम से सफाईकर्मियों की नियुक्ति की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद के सभी मार्गों, विशेष रूप से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले मार्गों की कनेक्टिविटी को अच्छा बनाने तथा यहां पर पहले से स्वीकृत मिनी स्टेडियम के कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जनपद भदोही अच्छी दिशा में आगे बढ़ रहा है।

जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधिगण द्वारा जनसहभागिता से मोरवा नदी का पुनरुद्धार किया जा रहा है। मोरवा वरुणा नदी की सहायक नदी है। इन नदियों के पुनरुद्धार और व्यापक वृक्षारोपण के दृष्टिगत ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

जम्मू शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए हाईकोर्ट ने जारी किए निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

सार्वजनिक स्थानों को बहाल करने और पैदल यात्रियों और वाहनों के आवागमन को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक आदेश में जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय ने दुकानदारों, विक्रेताओं और खाद्य पदार्थों की दुकानों द्वारा अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए हैं जबकि इसके साथ ही एक लंबे समय से लंबित जनहित याचिका (पीआईएल) का निपटारा किया है। मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली, न्यायमूर्ति राजेश ओसवाल की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और शहरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक रास्ते, सड़कें, गलियाँ अतिक्रमण से मुक्त होनी चाहिए। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) को शहर भर में हर दो सप्ताह में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाने और दुकानदारों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों द्वारा अस्थायी और स्थायी दोनों तरह के अतिक्रमणों को हटाने का निर्देश दिया गया है। इसमें कहा गया है कि निगम को व्यवसाय मालिकों को सार्वजनिक स्थान पर कब्जा करने की अवैधता के बारे में शिक्षित करना है और जुमार्ना, दंड और आगे की कानूनी कार्रवाई सहित परिणामों की चेतावनी देना है। आगे निर्देश दिया कि आदतन उल्लंघन के लिए बार-बार अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और नगर निगम अधिनियम की धारा 232 और 371 के तहत कार्रवाई शामिल की जाए। यदि उल्लंघन जारी रहता है तो नोटिस के 10 दिनों के भीतर अनुपालन करने में विफल रहने वाली दुकानों को सील करने का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा जम्मू विकास प्राधिकरण को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि सिटी चौक कॉम्प्लेक्स में दुकानदारों द्वारा कोई अतिक्रमण न किया जाए और बार-बार उल्लंघन के मामले में उन्हें लीज डीड रद्द करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाता है। अदालत ने निर्देश दिया कि यह जांच की जानी चाहिए कि खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण से उचित लाइसेंस के बिना सड़क किनारे कोई भी खाद्य पदार्थ खाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसी तरह, रेहड़ी (पुशकार्ट) को यातायात अवरोधों से बचने के लिए केवल निर्दिष्ट स्थानों पर ही संचालित किया जाना है। न्यायालय ने स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट के क्रियान्वयन का भी निर्देश दिया है जिसमें कहा गया है कि अधिकारियों को स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) अधिनियम, 2014 और जेएंडके स्ट्रीट वेंडिंग रूल्स, 2021 को अक्षरशः लागू करना चाहिए।

जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान जेएमसी और जेडीए अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षा और सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। जम्मू यात्रा गाइड जम्मू के संभागीय आयुक्त जिन्हें पहले से ही नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है जेएमसी आयुक्त और जेडीए के उपाध्यक्ष के साथ नियमित समन्वय बैठकें करेंगे। अधिकारियों को सख्त प्रवर्तन बनाए रखते हुए अनावश्यक उत्पीड़न से बचने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियानों के दौरान न्यूनतम बल का प्रयोग करने के लिए कहा गया है।

राष्ट्रीय आइस स्केटिंग चैंपियनशिप के लिए मुख्यमंत्री ने राज्य के दल को रवाना किया

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां ओक ओवर से 60 खिलाड़ियों के दल को राष्ट्रीय आइस स्केटिंग चैंपियनशिप के लिए रवाना किया। यह दल 25 जून से 28 जून, 2025 तक देहरादून में आयोजित होने वाली सात आयु वर्गों की विभिन्न प्रतिस्पधाओं में भाग लेगा। मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों को चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा प्रदान कर रही है और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। सरकार ने ओलंपिक, पैरा-ओलंपिक और एशियाई खेलों जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने डाइट मनी में भी वृद्धि की है तथा बेहतर यात्रा सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ियों को 200 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए एसी थ्री टियर ट्रेन का किराया और लंबी दूरी के लिए इकानमी क्लास का हवाई किराया दिया जा रहा है। खिलाड़ियों को दी जाने वाली इन सुविधाओं का उद्देश्य युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करना है ताकि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहे और स्वस्थ जीवन शैली को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश आइस स्केटिंग एसोसिएशन के जिला शिमला अध्यक्ष इकाश्वकु जस्टा और जिला उपाध्यक्ष योगेश सिहिया भी उपस्थित थे।

सांसद सिकंदर कुमार ने बलिदान दिवस पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि, किया पौधारोपण

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. सिकंदर कुमार ने सोमवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के घणाहट्टी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पढ़ेच व धामी बूथ में पार्टी कार्यकताओं और ग्रामीणों के साथ डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधारोपण भी किया। इस मौके पर पूर्व भाजपा प्रत्याशी रवि मेहता सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ. सिकंदर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने बताया कि डॉ. मुखर्जी केवल 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने और विश्व के सबसे युवा कुलपति का सम्मान प्राप्त किया। वे पंडित नेहरू की सरकार में मंत्री भी रहे, लेकिन सिद्धांतों से समझौता न करते हुए इस्तीफा दे दिया। जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के संकल्प के तहत उन्होंने धारा 370 के खिलाफ आवाज बुलंद की और बिना परमिट कश्मीर जाकर गिरफ्तारी दी, जहां 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में उनका निधन हो गया।

डॉ. सिकंदर कुमार ने बलिदान दिवस के अवसर पर कहा कि डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि हर साल राष्ट्रभक्ति के प्रतीक दिवस के रूप में मनाई जाती है। वे सदैव एक महान देशभक्त और सिद्धांतवादी नेता के रूप में स्मरण किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने वन विभाग के एक्टिविटी कैलेंडर को जारी किया

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को यहां वन विभाग का गतिविधि कैलेंडर जारी किया। इस कैलेंडर में 5 जून अन्तरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों को प्रदर्शित किया गया है। वन विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण को केंद्र में रखकर प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। विभाग द्वारा प्रदेश के 1,000 शैक्षणिक संस्थानों में ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल और ह्यबीट द प्लास्टिकह्ल थीम पर पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 50,000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभाग द्वारा वन मित्रों, विद्यार्थियों और जनसहभागिता को सुनिश्चित करते हुए विभिन्न परिसरों और कार्यालयों में सफाई अभियान चलाए गए।

मुख्यमंत्री ने विभाग को इन पहलों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग स्वच्छ और सतत पर्यावरण की दिशा में बेहतरीन कार्य करना सुनिश्चित करेगा। उन्होंने अधिकारियों को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और योजनाओं तथा नीतियों को सफलतापूर्वक लागू करने में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधान मुख्य अरण्यपाल समीर रस्तोगी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

वीरभद्र सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि, रामपुर में होगा चतुरवार्षिक श्राद्ध

शिमला। हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की 91वीं जयंती पर सोमवार को कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कृषि मंत्री चंद्र कुमार, लोक निर्माण मंत्री एवं वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य सिंह, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री कौल सिंह ठाकुर, शिमला शहरी के विधायक हरीश जनारथा और मेयर सुरेंद्र चौहान सहित कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी गई। विक्रमादित्य सिंह ने इस मौके पर कहा कि वीरभद्र सिंह का हिमाचल के चहुंमुखी विकास में ऐतिहासिक योगदान रहा है। आज उनके बताए रास्तों पर चलने का संकल्प लेने का दिन है, जिसमें उन्होंने क्षेत्रवाद और जातिवाद से ऊपर उठकर पूरे प्रदेश के लिए कार्य किया। उन्होंने बताया कि रिज मैदान शिमला में वीरभद्र सिंह की प्रतिमा स्थापित कर दी गई है, जिसका अनावरण पहले आज प्रस्तावित था, लेकिन अब यह कार्यक्रम 15 जुलाई को होगा। इस समारोह में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कैबिनेट मंत्री और विपक्ष के नेता शामिल होंगे। इधर, वीरभद्र सिंह के निधन को चार वर्ष पूरे होने पर 24 जून को उनके पैतृक निवास रामपुर स्थित पदम पैलेस में उनका चवरख (चातुर्वार्षिक श्राद्ध) आयोजित किया जाएगा। इस धार्मिक और सार्वजनिक कार्यक्रम में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान सहित कई मंत्री व गणमान्य लोग भाग लेंगे। मुख्यमंत्री व राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। समारोह को लेकर रामपुर में तैयारियां जोरों पर हैं। इससे एक दिन पूर्व सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस द्वारा पदम पैलेस परिसर में रक्तदान शिविर भी लगाया गया। आयोजन के दौरान रामपुर में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। 24 जून को सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक भारी और हल्के वाहनों को वजीर बावड़ी से झाकड़ी होते हुए भेजा जाएगा। वीवीआईपी मूवमेंट के लिए अलग पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की गई है जबकि एनएच-5 पर वाहन पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी।

शिमला : 200 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, तीन घायल

शिमला। जिला शिमला के उपमंडल चौपाल के तहत दत्ताकांडी क्षेत्र में बीती रात एक सड़क हादसा पेश आया। इसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सभी को उपचार के लिए सिविल अस्पताल चौपाल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आइजीएमसी शिमला रेफर कर दिया गया है। यह हादसा रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे उस समय हुआ जब तीन युवक झीकणीपुल से चौपाल की ओर एक निजी कार (ल्ढ 52ए-8880) में आ रहे थे। कार को दिग्विजय सिंह पुत्र बालकृष्ण, निवासी गांव राकसा, डाकघर देहा, तहसील चौपाल चला रहा था। उसके साथ शनि पुत्र श्याम सिंह निवासी देहा और एरिक मेहता पुत्र सुरेश मेहता निवासी शीला, देहा भी सवार थे। दत्ताकांडी के पास चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कार करीब 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद खाई से बाहर निकालकर सिविल अस्पताल चौपाल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उनकी हालत को देखते हुए आइजीएमसी शिमला रेफर कर दिया गया। डीएसपी चौपाल सुशांत शर्मा ने बताया कि पुलिस थाना चौपाल में शनि की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और हादसे के कारणों की जांच जारी है। तीनों घायलों की हालत खतरे से बाहर है।

उधमपुर में आतंकवाद के आरोपी की अचल संपत्ति कुर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को उधमपुर जिले में एक आतंकवाद के आरोपी की अचल संपत्ति कुर्क की जो वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बसंतगढ़ के कदवाह गांव में स्थित मोहम्मद शफीक की 1.3 मरला जमीन (एक मरला = 272.25 वर्ग फीट) गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत कुर्क की गई है। पिछले कुछ वर्षों में सुदूर बसंतगढ़ वन क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कई मुठभेड़ें हुई हैं। अधिकारी ने कहा कि जांच में संपत्ति के आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों से जुड़े होने की पहचान होने के बाद यूएपीए की धारा 25 के तहत कुर्की की गई है। शफीक को पिछले साल आतंकवादियों से संबंधों के कारण गिरफ्तार किया गया था और उसके खिलाफ बसंतगढ़ पुलिस स्टेशन में यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अधिकारी ने कहा कि लाखों रुपये की कीमत वाली जमीन को आधिकारिक तौर पर जब्त कर लिया गया है और अब इसे बेचने, पट्टे पर देने, हस्तांतरित करने या किसी तीसरे पक्ष के लेन-देन में शामिल होने पर कानूनी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हिमाचल में चार दिन भारी बारिश की चेतावनी, ओरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और राज्य के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश हुई है। बीते 24 घंटों में सबसे अधिक बारिश सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में 84.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई। इसके अलावा कांगड़ा में 36.8 मिलीमीटर, बैजनाथ में 26.0, मोरिंडा में 22.2, बीबीएमबी में 19.4, मुरारी देवी में 19.0, कोठी में 15.4, पालमपुर में 12.8, नेरी में 12.5, मंडी में 12.4, पंडोह में 12.0 और जोगिंदरनगर में 11.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। बारिश से तापमान में गिरावट भी दर्ज की गई है और गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग ने आगामी चार दिनों के लिए राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार 24, 25, 26 व 27 जून को कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की आशंका है और इसे लेकर ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 28 व 29 जून को बारिश में थोड़ी कमी आएगी, लेकिन इस अवधि में भी भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। इस दौरान नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ने के साथ-साथ भूस्खलन और पेड़ों के गिरने जैसी घटनाएं भी हो सकती हैं।

मौसम विभाग ने लोगों को चेताया है कि वह इस दौरान सतर्क रहें और गैरजरूरी सफर करने से बचें। विशेष रूप से पर्वतीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सलाह दी गई है कि वे बारिश के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी आपदा की स्थिति में प्रशासन से तुरंत संपर्क करें। शिमला जिला प्रशासन ने मानसून के दौरान किसी भी आपदा में राहत व बचाव कार्यों के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती की है।

इस बीच राजधानी शिमला व आसपास के इलकों में सोमवार सुबह से घने बादल छाए हैं और बारिश की संभावना बनी हुई है। विभाग ने आज भी राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

राज्य में मानसून ने बीते 20 जून को दस्तक दी थी। अब तक मानसूनी बारिश से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है ।मानसून सीजन में हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ जाता है। हर साल मानसून के दौरान राज्य में भूस्खलन, बादल फटने व अन्य वर्षा जनित हादसों में सैंकड़ों लोगों की मौत होती है।

घर में घुसकर महिला से अश्लील हरकतें, एफआईआर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला शिमला के उपमंडल चौपाल की एक पंचायत में एक महिला के साथ घर में घुसकर अश्लील हरकत करने और सेब के पौधों को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना 21 जून की रात लगभग 11 बजकर 20 मिनट की है। शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस थाना चौपाल में दी शिकायत में बताया कि जब वह रात के समय घर में अकेली थी, तो उसी गांव का युवक सुरेश कुमार जबरन उसके घर में घुस आया। पीड़िता के अनुसार सुरेश कुमार ने घर में घुसते ही उसके साथ अश्लील हरकतें कीं और जानबूझकर उसके सेब के पौधों को भी नुकसान पहुंचाया।

पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि महिला की शिकायत पर पुलिस थाना चौपाल में भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 332, और 342(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस केंद्रीय खेल टीम के एथलीटों ने द्रास, कारगिल मैराथन में किया शानदार प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
कारगिल

जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस केंद्रीय खेल टीम के एथलीटों ने 10,800 फीट की ऊंचाई पर आयोजित द्रास, कारगिल मैराथन में असाधारण धीरज और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। कठिन भूभाग और उच्च ऊंचाई वाली परिस्थितियों के लिए जाने जाने वाले इस आयोजन में पूरे क्षेत्र से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद जम्मू-कश्मीर सशस्त्र पुलिस केंद्रीय खेल टीम के एथलीटों ने कई दौड़ श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

21 किमी की श्रेणी में हंसराज ने तीसरा स्थान हासिल किया जबकि तारिक अजीज चौथे स्थान पर रहे। अजय ने 10 किमी की दौड़ में पहला स्थान हासिल किया जबकि बरकत अली ने तीसरा स्थान हासिल किया। 5 किमी की श्रेणी में तारिक हुसैन ने पहला स्थान हासिल किया और बलविंदर सिंह ने 5वां स्थान हासिल किया।

आनंद जैन आईपीएस एडीजीपी सशस्त्र ने पदक विजेताओं को बधाई दी और उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि टीम की सफलता उनके कठोर प्रशिक्षण, एकता और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने इस तरह की चरम स्थितियों पर काबू पाने में उनकी शारीरिक फिटनेस और मानसिक लचीलेपन के महत्व पर भी जोर दिया।

स्मृति | **गोंदपुर के कम्युनिटी हाल में श्रीमद् भागवत कथा शुरू**

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की पुण्य स्मृति में धार्मिक आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

अंतः करण की शुद्धि के लिए श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण से बढकर दूसरा कोई साधन नही है। जन्म जन्मातंर में जब बहुत से पुण्यः इकठ्ठे होते हैं तब जाकर श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण का मौका मिलता है। ये प्रवचन प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की पुण्य स्मृति में कम्युनिटी सेंटर गोंदपुर में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के पहले दिन सोमवार को कथा ब्यास जगतगुरू स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य जी महाराज ने किए।

उन्होंने कहा कि इस पवित्र कथा का श्रवण देवताओं को भी दुर्लभ है। जब शुकदेव जी महाराज कथा कह रहे थे तो देवराज इंद्र देवताओं के साथ आए और अमृत का कलश शुकदेव जी और परीक्षित जी के मध्य में रखकर प्रार्थना की कि ये अमृत ले लो और कथारूपी अमृत हमें पिला दो। लेकिन शुकदेव जी ने उन्हें कथा नही सुनाई क्योंकि वे कथा के श्रोता नही बल्कि व्यापारी बनकर आए थे। इंद्र ने अमृत के बदले कथा का व्यापार करने की सोची थी।

स्वामी राजेंद्र दास जी ने कहा कि इसका सीधा सा अर्थ है कि कथा का सौदा करने वाले ना तो कथा सुनने के अधिकारी है और ना ही कहने के। अमृत बड़ी ही दुर्लभ वस्तु हैं, लेकिन श्रीमद् भागवत कथा के सामने अमृत एक कांच के टुकड़े के समान है। जैसे एक कांच के टुकड़े और दिव्य मणि की बराबरी नही है वैसे ही स्वर्ग के अमृत और भागवत रूपी दिव्य अमृत की कोई बराबरी नही है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा कृष्णलोक की प्राप्ति कराने वाली है। कथा महापापी का भी उद्धार करती है।

कथा ब्यास श्री राजेंद्र दास जी ने कहा कि आजकल देखने में आ रहा है कि कथा मनोरंजन का नही बल्कि आत्मरंजन का साधन है। मनोरंजन के ओर भी कई साधन हो सकते हैं, लेकिन आत्मरंजन का केवल एक ही साधन श्रीमद् भागवत कथा है। इसलिए इस कथा में आपको गीत-गजलें कम ही सुनाई देंगी, जो भागवत में है केवल उसी का श्रवण करवाया जाएगा। अगर श्रद्धा से कथा का श्रवण करेंगे तो इस जन्म ही नही बल्कि जन्म जन्मातंरों के पाप भी नष्ट होंगे। भगवान नारायण जी ने श्रीमद् भागवत कथा का उपदेश भगवान ब्रम्हा जी को दिया था। भगवान ब्रम्हा जी ने इसका उपदेश नारद जी को किया। वही उपदेश नारद जी ने ब्यास जी को किया और ब्यास जी ने इसे समाधि में साक्षात्कार किया और तदोपरांत इसे लिपिबद्ध किया। कथा ब्यास जी ने नारद जी और सनकादि ऋषियों का मिलन। वृदांवन में नारद जी और भक्ति, ज्ञान-वैराग्य की कथा और धुंधकारी-गोकर्ण की कथा का श्रवण श्रद्धालुओं को करवाया।

प्रसिद्ध कथा वाचक स्वामी राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि हमें माँ भगवती और भगवान शिव के प्रिय स्थान हिमाचल प्रदेश में परम पवित्र आषाढ़ मास में कथा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिसके भगवान ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का निमित्त बनाया है। आपकी धर्मपत्नी स्वर्गीय डा. सिम्मी अग्निहोत्री के पवित्र भाव से ये अवसर मिला है, जिनको भगवद धाम गए लगभग एक वर्ष हो गया है। आप ऐसा अनुभव करें कि वे अपने भाव से देह में विराजमान होकर श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करेंगी और भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में पहुंचेंगी।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मुख्यमंत्री ने कुलपतियों से युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों पर जोर देने का किया आह्वान

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त कुलपतियों से युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष जोर देने का आह्वान किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालयों को शिक्षा और रोजगार के बीच के अंतर को कम करने के लिए उद्योगों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय को अपने कम से कम 10 प्रतिशत कार्यक्रम औद्योगिक भागीदारों के सहयोग से चलाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस पहल से राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। साथ ही विभिन्न उद्योगों की उभरती जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज यहां अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त कुलपतियों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। विश्वविद्यालयों को राज्य सरकार के पूर्ण मार्गदर्शन, संसाधन और समर्थन का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को एक ऐसे राज्य में बदलना होगा जो न केवल डिग्री प्रदान करे बल्कि अपने युवाओं को सार्थक दिशा और उद्देश्य भी प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा के प्रत्येक जिले में एक मॉडल स्किल कॉलेज और एक मॉडल स्किल स्कूल स्थापित करने के राज्य सरकार के विजन को रेखांकित किया। ये संस्थान छात्रों को विशेष कौशल शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, उन्हें प्रतिस्पर्धी जॉब -मार्किट में सफल होने के लिए व्यावहारिक विशेषज्ञता से लैस करेंगे। उन्होंने एक कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया जो आधुनिक उद्योगों की मांगों के अनुरूप है और हरियाणा के समग्र आर्थिक विकास में योगदान देता है।

श्री नायब सिंह सैनी ने राज्य के कुलपतियों से हरियाणा को वैश्विक स्तर पर ऊंचा उठाने के लिए संस्थागत रैंकिंग बढ़ाने का आह्वान करते हुए शोध

आउटपुट, रोजगार के अवसरों, संस्थागत रैंकिंग और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार की दिशा में प्रयास तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करने और निष्पक्ष, गैर-भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि कुलपतियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अपने-अपने संस्थानों की रैंकिंग और रेटिंग बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। नैतिक नेतृत्व के महत्व पर जोर देते हुए इस बात पर बल दिया गया कि ईमानदारी, निष्पक्षता और गैर-भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण के साथ काम करना जरूरी है। यह न केवल अकादमिक उत्कृष्टता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि अधिक समावेशी और टिकाऊ संस्थागत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने इसे एक ऐतिहासिक दस्तावेज बताया और शिक्षण संस्थानों में इसके त्वरित और प्रभावी कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। श्री सैनी ने कुलपतियों से नवाचार और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए एनईपी के प्रमुख आयामों के साथ अपनी रणनीतियों को संरेखित करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों से ?विकसित भारत-विकसित हरियाणा? के विजन को साकार करने की दिशा में अपना ज्यादा से ज्यादा योगदान देने का आग्रह किया, ताकि राज्य और राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष (एचएसआरएफ) की स्थापना की गई है। इसमें 20 करोड़ रुपये की शुरूआती आवंटन के साथ, एचएसआरएफ अपनी तरह का पहला कोष है जो नवीन अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय इस निधि का अधिकतम प्रयोग गांवों की सामाजिक समस्याओं और चुनौतियों से निपटने संबंधी शोध कार्यों पर करें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस निधि का रणनीतिक रूप से उपयोग ग्रामीण समुदायों के विकास और कल्याण में योगदान देने वाले प्रभावशाली अध्ययनों को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए। छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाना चाहिए

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध कॉलेजों को नैक (ठअअउ) मान्यता प्राप्त करने का आग्रह करते हुए उच्च शिक्षा में गुणवत्ता-आश्वासन (द४ः३८ अ२२४१ल्ली) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संस्थागत प्राथमिकताओं के रूप में संकाय विकास, व्यापक छात्र मार्गदर्शन और सामाजिक परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया। श्री सैनी ने छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करने की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कुलपतियों से अपने विश्वविद्यालयों को शिक्षा के उच्चतम मानकों तक बढ़ाने का आग्रह किया, यहां तक कि वैश्विक मान्यता प्राप्त करने की आकांक्षा भी जताई।

बैठक में मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू, डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत के कुलपति प्रो. (डॉ.) देवेन्द्र सिंह, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी, गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कौशिक, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी, दादा लख्मीचंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. अमित आर्य तथा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय दुधोला पलवल के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार उपस्थित थे।

बाबा बफार्नी सेवा मण्डल कुरुक्षेत्र की शाखा लाडवा की शुरूआत

संवाददाता
लाडवा

लाडवा मे बाबा बफार्नी सेवा मण्डल रजिस्टर्ड कुरुक्षेत्र की शाखा लाडवा की शुरूआत की गई। जिसमे बाबा के भंडारे बालटाल कश्मीर के लिए रवाना किया गया। लाडवा शहर के सभी लोगो ने बड़ चढ़ कर सहयोग किया।और शहर की सभी संस्थाओ ने दिल से साथ दिया।भंडारे की रवानगी को लाडवा एसएचओ सुनील वत्स ने झंडी दिखा कर रवाना किया।इस अवसर पर लाडवा के सभी गणमान्य व्यक्ति ओर सभी संस्थाय मौजूद रही। इस कार्य को भव्य बनाने के लिए मुख्य रूप से अनिल माटा, अश्वनी जैन, विकास सिंघल, महेश गुप्ता, अंकित मंगला, हरिश सिंघल ,अरविन्द सिंघल, बॉबी पुजारा, नरेश बंसल, शिवम गर्ग , हेमंत सैनी, डॉक्टर राज,सुमित बंसल ,अनिल गर्ग ने सहयोग किया।

हरियाणा में बिजली चार गुना महंगी होने से उद्योगों का होगा पलायन: सैलजा

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार ने एक अप्रैल 2025 से लागू की गई नई बिजली दरें और फिक्स्ड चार्ज प्रदेश की जनता, विशेषकर छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए विनाशकारी सिद्ध होंगी। यह नीतियां न केवल जनविरोधी हैं, बल्कि आर्थिक रूप से कमर तोड़ने वाली भी हैं। भाजपा सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि शासन का उद्देश्य राजस्व संग्रह नहीं, जनकल्याण होता है। ऐसे में सरकार को अपना यह फैसला जनहित में तत्काल प्रभाव से वापस लेना चाहिए।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में बिजली हुई चार गुना महंगी हो गई है यानि जो पहले 1000 का बिल आता था अब वह चार हजार तक आएगा। उधर सरकार के इस फैसले से उद्योगों का पलायन होगा। सांसद ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा की गई बिजली दरों में अत्यधिक वृद्धि ने आम नागरिकों की आर्थिक स्थिति पर सीधा प्रहार किया है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है जब लोग पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं। भाजपा सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि शासन का उद्देश्य राजस्व संग्रह नहीं, जनकल्याण होता है। बिजली जैसी आवश्यक सेवा पर इस प्रकार की नीतियां प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक संरचना को असंतुलित करती हैं। भाजपा सरकार का यह निर्णय पूरी तरह से असंवेदनशील और जनविरोधी है।

कुमारी सैलजा ने कहा है कि सरकार की नई बिजली दरें छोटे उद्योगों, किसानों और आम जनता पर आर्थिक हमला हैं। सरकार ने अब 10 किलोवाट से अधिक लोड लेने वाले उपभोक्ताओं पर 250 प्रति किलोवाट प्रति माह का फिक्स्ड चार्ज लगा दिया है। इसका सीधा असर प्रदेश के हजारों छोटे उद्योगों पर पड़ेगा, जिनके पास आमतौर पर 20 से 100

किलोवाट तक का लोड होता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी छोटे उद्योग के पास 100 किलोवाट का लोड है तो उसे 25,000 प्रतिमाह केवल फिक्स चार्ज देना होगा यह सरासर अन्याय और आर्थिक शोषण है। इससे पहले ही प्रदेश सरकार बिजली कंपनियों से लगभग तीन रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद रही है, लेकिन छोटे उद्योगपतियों को 6.50 से 7.50 प्रति यूनिट दर से बिजली बेची जा रही है। ऊपर से यह भारी भरकम फिक्स्ड चार्ज लगाना एक प्रकार का आपराधिक आर्थिक दमन है। चुनावों से पहले सरकार ने जनता को मुफ्त या सस्ती बिजली देने का वादा किया था। लेकिन सत्ता में आते ही वादों को भुलाकर सरकार ने जनता को महंगी बिजली और जबरन फिक्स्ड चार्ज का बोझ थोप दिया है। यह निर्णय छोटे कारोबारियों, दुकानदारों, किसान परिवारों और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एक भयंकर आर्थिक संकट लेकर आया है।

सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि 10 किलोवाट से अधिक लोड पर 250 प्रति किलोवाट के फिक्स्ड चार्ज को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए, सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं के लिए फिक्स्ड चार्ज को समाप्त किया जाए या यथासंभव न्यूनतम रखा जाए, बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी को तुरंत निरस्त किया जाए, चुनावी वादे के अनुसार जनता को सस्ती और सुगम बिजली मुहैया करवाई जाए। जनता के पैसे से बनी व्यवस्था में जनता पर ही इतना बड़ा भार डालना एक जनविरोधी और पूंजीपति नीति का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ सडक से सदन तक संघर्ष करेगी।

संक्षिप्त-समाचार

यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन लाडवा ने खिलाड़ियों के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस

लाडवा। यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन लाडवा ने आज 23 जून को यूथ स्पोर्ट्स अकादमी में जाकर खिलाड़ियों के साथ अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस को मनाया । इस अवसर पर एसोसिएशन के चेयरमेन चौ जोग ध्यान ने खिलाड़ियों को बुके देकर सम्मानित किया तथा उन्हें अपने हाथों से लड्डू खिलाकर उन्हें प्रोत्साहित किया । उन्होंने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी का सपना ओलंपिक तक पहुंचना तथा उसमें पदक प्राप्त करना होता है और प्रत्येक खिलाड़ी को इसके लिए सदैव मेहनत करते हुए प्रयासरत रहना चाहिए । प्रधान विजय तनेजा ने खिलाड़ियों को इस दिन के महत्व के विषय में बताया और कहा कि ओलंपिक के झंडे में पांच रिंग्स पांच महाद्वीप अमेरिका, अफ्रीका, यूरोप, एशिया और ओशिनिया का प्रतीक है और यह सभी अलग-अलग रंग के होते हैं। जो सभी महाद्वीपों से खिलाड़ियों को विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्वागत तथा प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर चौधरी जोग ध्यान, विजय तनेजा, रामकुमार खाकट,चमन लाल, एकांत, लक्की पांचाल, सुखराज ढिल्लों इत्यादि उपस्थित रहे ।

इग्नू में जुलाई 2025 सत्र में दाखिले के लिए डीईबी आईडी जरूरी

चंडीगढ़। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), में जुलाई 2025 सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दी है। इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन करके उनके लिए उत्थान के समान अवसर उपलब्ध करवाना है। इग्नू रिमोट एरिया, गांवों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने का कार्य कर रही है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यूजीसी-डीईबी ने सभी ओपन और डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन (ओएल) कार्यक्रमों के लिए एक नई प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है। यूजीसी-डीईबी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, अब प्रत्येक शिक्षार्थी (अंतर्राष्ट्रीय शिक्षार्थियों को छोड़कर) के लिए किसी भी ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) या ऑनलाइन (ओएल) पाठ्यक्रम में नामांकन से पहले अपनी एबीसी आईडी का उपयोग करके एक डीईबी-आईडी बनाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी यूजीसी-डीईबी वेब पर या डिजीलॉकर के माध्यम से डीईबी-आईडी पर जाकर अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड से अपनी एबीसी आईडी बना सकते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इग्नू में दाखिला लेने के लिए छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और होमपेज पर दिए गए फ्रेश एडमिशन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद डीईबी-आईडी व अपना व्यक्तिगत विवरण जैसे ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर आदि डालें तथा मांगे गए दस्तावेज अपलोड करें। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड से अपना दाखिला फीस का भुगतान कर सकते हैं। इग्नू के विभिन्न सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, ग्रेजुएशन तथा पोस्ट ग्रेजुएशन पाठ्यक्रमों में जुलाई 2025 सत्र में दाखिले की अंतिम तिथि 15 जुलाई, 2025 है।

रोटरैक्ट मंडलाध्यक्ष ने किया क्लब का आधिकारिक दौरा

रोटरैक्ट के हर सदस्य के जूनून की वजह से विश्व से पोलियो हुआ खत्मः शशांक कौशिक

अनिल गोयल
लाडवा

शहर की अंतर्राष्ट्रीय सामजिक संस्था रोटरैक्ट क्लब का रोटरेक्ट मंडलाध्यक्ष ने आधिकारिक दौरा किया। प्रोजेक्ट चेयरमैन गौरव गंभीर ने जानकारी देते हुए बताया कि रोटरैक्ट मंडल 3080 के मंडलाध्यक्ष शशांक कौशिक अपने आधिकारिक दौरे के दौरान मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह का शुभारम्भ अतिथियों व क्लब पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

क्लब प्रधान इशांत गर्ग ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और क्लब सचिव चिराग मेहता ने पुरे वर्ष रोटरेक्ट द्वारा किये गए कार्यों का उल्लेख किया। मुख्यातिथि रोटरेक्ट मंडलाध्यक्ष शशांक कौशिक ने रोटरैक्ट लाड़वा द्वारा किये गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रोटरैक्ट द्वारा अस्पतालों में चलाया जा रहा टिफिन प्रोजेक्ट आहार व प्रोजेक्ट शिशु के माध्यम से नए जन्मे शिशु को सहयोग करना अपने आप में उत्तम समाजसेवा का उदाहरण है।

क्लब द्वारा मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच का कुशल संचालन गौरव गंभीर और शिवम मलिक द्वारा किया गया। क्लब प्रधान इशांत गर्ग द्वारा सभी सदस्यों को धन्यवाद स्वरूप उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर अमित कंसल, राहुल धीमन, गर्वित धवन, लक्ष्य धवन, सुमित गोयल, दिवांकुर , अंकित गर्ग, ऋषभ, मनन, अगम, आतिश, सौरभ बिंदल, अभिनव बंसल, अभिनव मिगलानी, वंश, भव्य, यश जिंदल, जोरावर सिंह, वरुण, सक्षम, मयंक, रिधम, सार्थक, वाकुश, अक्षय सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संजय गांधी थे प्रगतिशील सोच वाले नेता : पवन गर्ग

संवाददाता
लाडवा

संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल धनौरा-लाडवा में दूरदर्शी एवं तत्कालीन युवा नेता स्वर्गीय श्री संजय गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विद्यालय के प्रधान पवन गर्ग, सचिव रविंद्र बंसल, अन्य प्रबंधन सदस्यों, प्रधानाचार्य नरेन्द्र शर्मा, राजबीर शर्मा, अजय गुप्ता, रोहित सेठ एवं अध्यापकों ने संजय गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। पवन गर्ग ने संजय गांधी को याद करते हुए कहा कि वे प्रगतिशील सोच वाले नेता थे जो देश को औद्योगिक विकास के पथ पर ले जाना चाहते थे। अपनी दूरदर्शिता, गतिशील और करिश्माई नेतृत्व क्षमता के कारण वे तत्कालीन युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय थे। संजय गांधी मोटर कार उद्योग मारुति उद्योग की स्थापना करना चाहते थे जिसे

उनकी मृत्यु के बाद तत्कालीन भारत सरकार ने पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की पहल की और देश से गरीबी उन्मूलन के लिए काम किया। 23 जून 1980 को उनका निधन हो गया। उनके अभूतपूर्व योगदान और लोगों की भावना को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन एमएलसी, विधायक स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश गर्ग और उनकी टीम ने संजय गांधी को समर्पित 17 सितंबर 1980 को उनके नाम पर एक पब्लिक स्कूल की स्थापना की।

प्रिंसिपल नरेंद्र शर्मा ने कहा कि संजय गांधी एक क्रांतिकारी नेता थे जो व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन लाना चाहते थे। लेकिन इससे पहले कि वे अपने सपनों को साकार कर पाते, दुर्भाग्यपूर्ण विमान दुर्घटना का शिकार हो गए और उनकी असमय मृत्यु हो गई। उनके निधन से एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है जिसे किसी भी तरह से भरा नहीं जा सका।

सराहना

बोले, देश ने अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष रहे अतुलनीय: गौरव गौतम

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश ने अतुलनीय युग में प्रवेश किया है। यह 11 वर्ष केवल शासनकाल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का वह दौर है जिसमें भारत ने अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है।

खेल राज्य मंत्री आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर मानेसर में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पटौदी की विधायक श्रीमती बिमला चौधरी मौजूद रहीं।

मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि गरीब, किसान, महिला और युवा ये चार स्तंभ मोदी सरकार के सुशासन के केंद्र बिंदु हैं। अंत्योदय उत्थान के लक्ष्य के साथ पिछले 11 वर्षों में 29 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। जल जीवन मिशन से 15 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचा है। प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। हमारी मातृशक्ति के सम्मान को बरकरार रखने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश खुले में शौच से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के निर्णयों में दृढ़ता और देशहित सर्वोपरि रहा है। चाहे जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की बात हो, पुलवामा हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक हो, या फिर हाल ही में ह्यचिनाब ब्रिजह्ण के जरिए कश्मीर घाटी को देश से जोड़ना, उनका हर निर्णय एक नए भारत की नींव रखता है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पूर्व देश में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और निराशा का माहौल था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और विकास की

नीति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, जिसका परिणाम आज विश्व मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति के रूप में सामने है।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान, मंगलयान और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को विश्व की अग्रणी टेक्नोलॉजी शक्ति बना दिया है। वर्ष 2014 में 10वीं स्थान पर रही भारतीय अर्थव्यवस्था आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने नारी शक्ति को राष्ट्र शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा से शुरू हुआ ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ण अभियान व निर्धारित लक्ष्यों के तहत उसके परिणाम इन्हीं सार्थक प्रयासों का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में विश्वविद्यालयों की संख्या 490 थी जोकि अब बढ़कर 1213 हो गयी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में जहां देश में मात्र 74 एयरपोर्ट थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 160 हो गई है। पीएम गतिशक्ति, भारतमाला और सागरमाला परियोजनाओं ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को नई दिशा दी है।

खेल राज्य मंत्री ने विकास की इस महत्वपूर्ण यात्रा में हरियाणा के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने किसानों के कल्याण, औद्योगिक निवेश, खिलाड़ियों की उपलब्धियों और युवाओं को रोजगार से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने हर बार हरियाणा को बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी है। देश मे यह पहली सरकार है जिसने कौशल विकास की दिशा में आगे कदम बढ़ते हुए हुए पलवल में कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की है। खेल विभाग की तुलना करते हुए गौरव गौतम ने बताया कि कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों (2004झ2014) में खिलाड़ियों को केवल 38.45 करोड़ रुपये कैश अवॉर्ड दिए गए, जबकि वर्तमान सरकार ने 2014 से 2024 तक 592.84 करोड़ रुपये का कैश अवॉर्ड खिलाड़ियों को दिया है। यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा की नायब सैनी सरकार खिलाड़ियों के उत्थान के लिए कितनी प्रतिबद्ध है।

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि व किया पौधारोपण

संवाददाता
लाडवा

भाजपा लाडवा मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता की अगुवाई में अनेक बूथों पर जाकर डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया गया। मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक ऐसे राष्ट्रवादी नेता थे। जिन्होंने जम्मू कश्मीर मुद्दे पर कहा था कि भारत में एक देश एक कानून और एक अध्यक्ष होगा।

उन्होंने कहा कि उस समय की स्थिति ऐसी थी कि जम्मू कश्मीर में वहां के नेता अपना अलग नियम कानून और अध्यक्ष मानते थे। जिस पर वहां जाने के लिए भी वीजा की जरूरत पड़ती थी। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा कि वह वहां बिना वीजा के ही जाएंगे, चाहे उन्हें अपने प्राणों का बलिदान ही क्यों ने देना पड़े। उन्होंने यह भी बताया

कि वहां धारा 370 के तहत यह कानून था कि यदि वहां की बेटी राज्य से बाहर शादी करवाती थी तो उसके मौलिक अधिकार समाप्त हो जाते थे। इसी प्रकार जो अन्य राज्य की लड़की शादी करवा कर जम्मू कश्मीर आई थी तो उसे भी वहां के अधिकार प्राप्त नहीं होते थे। उन्होंने कहा कि अब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस धारा 370 को समाप्त कर जम्मू कश्मीर में खुशहाली ला दी है। उन्होंने बताया कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर अनेक बूथों पर जाकर जहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई वहीं पौधारोपण भी किया गया। जिसमें गांव बड़ौदा, बड़ौंदी, भूतमाजरा, बदरपुर, बडशामी, सलेमपुर आदि शामिल हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, महामंत्री देवेंद्र गोल्डी, विनोद शर्मा, कर्मवीर बदरपुर, सतीश बड़ौदा, यशपाल शर्मा, भजन सिंह आदि शामिल रहे।

संपादकीय

ईरान और इजराइल एवं अमेरिका के बीच भू राजनैतिक टकराव ने तेल की वैश्विक आपूर्ति को किया प्रभावित

जी हां हाल ही में मध्य पूर्व, विशेषकर ईरान और इजराइल एवं अमेरिका के बीच भू राजनैतिक टकराव ने तेल की वैश्विक आपूर्ति को प्रभावित किया है। इसके परिणामस्वरूप, कच्चे तेल की कीमतों में एक जोरदार उछाल आया है। इसका प्रमुख कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज यानि होर्मुज जलडमरूमध्यॉ) का बंद या अवरुद्ध होने की संभावनाएँ हैं – जो दुनिया के तेल परिवहन का एक चोक-पॉइंट है। आइये समझे हैं होर्मुज जलडमरूमध्य की अहमियत के बारे में। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह जलमार्ग दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण तेल और एल एन जी परिवहन मार्गों में से एक है। करीब एक पाँचवां (20%) वैश्विक क्रूड तेल और लगभग एक तिहाई (33%) एल एन जी इसी मार्ग से प्रतिदिन गुजरता है। यह मार्ग सिर्फ 33कि.मी.चौड़ा है, और शिपिंग लेन मात्र 3 कि.मी. तक संकरे रहते हैं। संकट की उत्पत्ति होती दिख रही है। 12 जून को इजरायल ने ईरानी परमाणु सुविधाओं पर प्रहार किया, जिसके जवाब में ईरान ने होर्मुज को बंद करने की धमकी दी। जून के मध्य तक ईरानी संसद ने इस बारे में एक प्रतीकात्मक मतदान भी किया, जो निर्णयात्मक जरूर नहीं है, लेकिन संकेत देता है कि तेहरान गंभीर है। इसकी मंजूरी अभी ईरान के सर्वोच्च परिषद को करनी है, जो अगले कुछ दिनों में संदिग्ध है। तेल की कीमतों पर तत्काल प्रभाव की बात करं तो मॉनिटरी बाजारों में ब्रेंट क्रूड की कीमतें जून में पहले ही 10-11% उछल चुकी थीं, यह 77 डॉलर से 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गया है। कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी कि यदि होर्मुज बंद हुआ, तो इसकी कीमतें एक साथ 100 डॉलर -130 डॉलर तक जा सकती हैं। गोल्डमैन शैज ने अनुमान लगाया है कि यदि यह मार्ग बंद रहता है, तो ब्रेंट 110 डॉलर -130 तक जा सकता है और चौथी तिमाही तक 95 डॉलर तक औसत रह सकता है।जे पी मोर्गन ने भी 130 डॉलर प्रति बैरल तक की चेतावनी दी है, यदि मध्य पूर्व में टकराव लंबा चला और होर्मुज बंद रहा। विश्लेषक जॉर्ज लिऑन के अनुसार, यहां तक कि अस्थायी अवरोध भी तेल में जोखिम प्रीमियम जोड़ देता है। गर हम उक्त संकट के ग्लोबल अर्थव्यवस्था और मुद्राओं पर प्रभाव की बात करें तो तेल की कीमतों में उछाल से ग्लोबल मुद्रास्फीति बढ़ती है, खासकर विकासशील देशों में। भारतीय रुपया पहले ही 86 प्रति डॉलर से नीचे गिर चुका है, इसका श्रेय तेल आयात लागत में बढ़ोतरी को जाता है। सुरक्षित निवेशों की बढ़ती मांग शेयर बाजारों और मुद्रा बाजारों को अस्थिर कर रही है। इसका भारत पर भी सीधा असर पड़ता दिखाई दे रहा है। भारत कच्चे तेल की लगभग 90% आवश्यकता विदेशों से आयात करता है और इनमें से लगभग 45-50% होर्मुज से होकर आता है। कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं, लघु अवधि में तो 90 डॉलर और संभवतः 100 डॉलर तक। आई सी आर ए जैसी एजेंसियाँ कहती हैं कि भारत का लगभग 14% क्रूड तेल बहुत सीधा होर्मुज के रास्ते आता है – प्राथमिक रूस, सऊदी, एमिरात्स, कुवैत आदि से जो यह मार्ग अपनाते हैं। बीमा प्रीमियम, शिपिंग लागत, रिफाइनिंग लागत में वृद्धि—इसके चलते घरेलू ईंधन की कीमत पर दबाव बढ़ सकता है। पिछले कुछ हफ्तों में, भारत ने रूस और अमेरिका से तेल आयात बढ़ाया है—विशेषकर रूस से 2 वर्ष के उच्च स्तर पर प्रति दिन प्त2.2 मिलियन बैरल और अमेरिका से प्त0.44 मिलियन बी पी डी आयात किया है। अब बात करते हैं नीति निमार्ताओं की तैयारी की। दूसरी ओर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भरोसा दिलाया है कि : विविध आपूर्ति स्त्रोत हैं (रूस, अमेरिका, कतर, पश्चिम अफ्रीका)। मार्केटिंग कंपनियों के पास कई हफ्तों की आपूर्ति मौजूद है। सरकार सख्ती से स्थिति पर नजर रख रही है। सरकार रणनीतिक तेल भंडारण और वैकल्पिक पहुंच मार्गों का उपयोग कर अप्रत्यक्ष प्रभाव को नियंत्रित करने की योजना बना रही है। विश्लेषकों की राय की बात करें तो कई विश्लेषकों के अनुसार, यदि मार्ग कुछ सप्ताह या महीनों तक बाधित भी रहा, तो विश्व बाजार जल्दी वैकल्पिक आपूर्ति ढूंढ लेंगे और कीमतें समय के साथ गिरेंगी। यदि बंद स्थायी नहीं रहा, तो 90 डॉलर -110 प्रति बैरल तक मूल्य परिवर्तन संभव है—खासकर जून-जुलाई जोड़कर। भारत जैसे तेल आयातक देशों में ईंधन लागत बढ़ने के साथ-साथ मुद्रास्फीति और चालू-खाते की कठिनाइयाँ बढ़ सकती हैं। रुडी हुई वैश्विक मांग, कमजोर निवेश, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव—ये सब भी संभावित हैं। अंत में कह सकते हैं कि मौजूदा होर्मुज संकट ने तेल बाजार में स्पष्ट अस्थिरता ला दी है। यदि जलमार्ग बंद हुआ, तो कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है, विशेष रूप से जून से अगस्त के बीच, और वैश्विक अर्थव्यवस्था व भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर इसका असर स्पष्ट रूप से दिखेगा। हालांकि, विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय निगरानी तंत्रों के अनुसार, ऐसा स्थायी ब्लॉकेज लंबे समय तक टिका नहीं रहेगा। यद्यपि, भारत को वर्तमान तनाव के बीच स्थिरता बनाए रखने के लिए—वैकल्पिक आयात, भंडार, वैकल्पिक मार्ग, और कूटनीतिक संतुलन—इन सभी विकल्पों को सक्रिय रखना होगा।

आज का राशिफल

मेष: आज शेयर बाजार और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े जातकों को लाभ मिलने की संभावना है। वरिष्ठों का सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा। राजनीतिक संपर्क आपके लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। संतान का व्यवहार मन को प्रसन्न करेगा। लोग आपसे मार्गदर्शन की अपेक्षा रख सकते हैं।

वृषभ: आपकी सहायता भावना आज आपको लोगों में लोकप्रिय बनाएगी। कार्यस्थल पर आपकी जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती हैं। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य रहेगा। व्यवसायिक व्यस्तता बनी रहेगी। बुजुर्गों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन: आज दांपत्य जीवन में कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है। अनचाहे मेहमानों के आगमन से दिनचर्या बाधित हो सकती है। शासकीय कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। विरोधियों से सावधान रहें। उधार देने से पहले सोच-विचार करें।

कर्क: आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आज के दिन कामकाज में आपकी सराहना हो सकती है। नए प्रयोग करने की इच्छा जागेगी। आज के दिन दिनचर्या अनुशासित रहेगी, जिससे नए हालातों से सामंजस्य आसान होगा।

सिंह: प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं। मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है। उच्चाधिकारियों से रिश्ते बेहतर होंगे। आज के दिन व्यापार में आ रही रुकावटें दूर होंगी। घर में शांति और सुख का माहौल रहेगा।

कन्या: आज आपको कर्ज लेने की नौबत आ सकती है, जिससे तनाव हो सकता है। अपने सिद्धांतों से समझौता न करें। आत्मविश्वास में आकर जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। पढ़ाई करने वालों को विशेष ध्यान देना होगा।

तुला: व्यस्तता के बावजूद परिवार को समय देना जरूरी रहेगा। किसी अजनबी पर अधिक भरोसा न करें। नौकरी में स्थान परिवर्तन पर विचार हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। मान-सम्मान में थोड़ी गिरावट संभव है।

वृश्चिक: आज आपको व्यापार में अच्छे नतीजे मिलेंगे। अगर काम का दबाव ज्यादा हो तो उसे बाँटने में संकोच न करें। तनाव कम होगा। प्रेम संबंधों के लिए दिन शुभ है। राजनीतिक क्षेत्र के लोग सावधान रहें, धोखा मिल सकता है।

धनु: आज के दिन साझेदारी में पारदर्शिता बनाए रखें। संतान की प्रगति से प्रसन्नता मिलेगी। दिनचर्या असंतुलित हो सकती है। अत्यधिक भावुकता से बचें, अन्यथा लोग उसका लाभ उठा सकते हैं। अंधविश्वास से बचें।

मकर: घर का वातावरण सुखद रहेगा। कामकाज में सकारात्मक अनुभव होंगे। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है। दिनचर्या को व्यवस्थित बनाए रखें। बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखें। मन थोड़ा अशांत रह सकता है।

कुंभ: आज के दिन सुबह का समय थोड़ा कठिन हो सकता है। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ाएगा। दूसरों से अधिक उम्मीदें न पालें। पेट संबंधित समस्या हो सकती है। लेखन और रचनात्मक क्षेत्र में नया करने की प्रेरणा मिलेगी।

मीन: आज के दिन आपको कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिणाम मिलेंगे। विवाह के इच्छुक लोगों को अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। साहित्य व संगीत में रुचि बढ़ेगी। लम्बी यात्रा का विचार बन सकता है। आय में वृद्धि के संकेत हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का हर अभियान बना जन आन्दोलन

अपने पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की तो किसी को अंदाजा न रहा होगा की यह अभियान जन आन्दोलन का रूप ले लेगा। स्वच्छता आन्दोलन के साथ देखते ही देखते तरह से राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी व आमजन जुड़ गये वह अपने आप मे अद्वितीय ही रहा। अभियान पूरे देश में व्यापक असर तो दिखा ही साथ ही लोगों के दिलों-दिमाग में स्वच्छता के प्रति जागरुकता के प्रति अमिट छाप छोड़ गया। आज भी लोग सार्वजनिक व निजी स्थलों मे कचरा फेंकने, गंदगी करने के पहले सौ बार सोचते है। कोविड के समय स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और जन सहयोग को मिशाल के रूप मे देश ने देखा है। सरकारी मदद इलाज के इतर जिस तरह से एक दूसरे की मदद के लिए लोग सामने आए और लाखो लोगों की जान सुरक्षित किए वह प्रधानमंत्री के आह्वान का ही नतीजा रहा है।
मोदी सरकार ने 11 साल के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय और अभूतपूर्व कार्य कर भारत को कई क्षेत्रो मे नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। शौचालय पी.एम. आवास निर्माण के बाद बड़ी उपलब्धियों मे यदि किसी को गिना जाअगा तो वह है आयुष्मान भारत योजना, जिसने 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है। इस योजना ने 6 करोड़ से अधिक लोगो का इलाज कराकर उन्हे वित्तीय संकट से बचाया। देखा जाए तो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लिये इलाज पर होने वाला खर्च कमर तोड़ने वाला होता है। गम्भीर बीमारी के समय तो कई ऐसे परिवार रहे जो खर्च न उठा पाने की स्थिति मे मरीज को अपने हाल पर छोड़ देते थे।
आयुष्मान भारत योजना ने अब सब कुछ आसान कर दिया है। सामान्य हो या असामान्य सभी तरह की बीमारियों की चिन्ता आयुष्मान भारत पर छोड़ी जा चुकी है। आयुष्मान भारत योजना के बाद डिजिटल इण्डिया का कदम क्रान्तिकारी रहा है। डिजिटल इण्डिया ने यूपीआई के माध्यम से भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान का नेतृत्वकर्ता बनाया जिससे 2025 तक 1.3 ट्रिलियन मासिक लेन-देन दर्ज किए गए। मेक इन इण्डिया विनिर्माण और निवेश को बढ़ावा दिया जिससे भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बना। जल जीवन मिशन ने 11.82 करोड़ ग्रामीण घरो को नल जल कनेक्शन प्रदान किया जिससे स्वच्छ पेयजल की पहुंच बढ़ी।
मोदी सरकार ने अपने ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना ऐसा निर्णय रहा जिसे देश मान चुका था की यह सम्भव नही है। 'यह नहीं हो सकता' की धारणा आम हो चुकी थी लोकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे यह धारणा टूट गई। अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया और किसी तरह की चूं- चपड़ भी नही हुई। विपक्ष की यह आशंका भी निर्मूल साबित हुई की देश मे भू-चाल आ जाएगा।अनुच्छेद 370 के समाप्ति के बाद देश ने भी देखा की जब जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव हुए तो 58.46 फीसद तक मतदान हुआ। यह परिवर्तन एक साहसिक निर्णय का असर रहा है। इसी तरह तीन तलाक की प्रथा जो मानवता के लिए त्रासदी

डॉ.राजेश मिश्र (हि.स.)

थी जिस पर वर्षो तक चुप्पी छायी रही। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बात कही लेकिन कोई निर्णायक कदम नही उठाया गया। मोदी सरकार ने तीन तलाक को समाप्त कर यह साबित कर दिया कि वह महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब पता चलता है कि इस्लामिक देशों में तो तीन तलाक बहुत पहले ही समाप्त हो चुका है।
प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण की सार्थक योजना चलाई जिसका असर देखने को मिला है। गरीबी हटाओ केवल पुराने नारे तक सीमित नहीं रहा बल्कि गरीबों के कल्याण को साकार रूप दिया गया। आंकड़े बताते हैं की 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा के उपर उठ चुके है। नीति आयोग और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंचों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकडे भी इसके गवाह है। भारत मे अत्यधिक गरीबी में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड लोगो को प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं व चावल निःशुल्क उपलब्ध कराया गया जिसे बडी उपलब्धि के रूप में माना जा सकता है। पी.एम. आवास योजना ने भी गरीबों की ना की दशा बदली बल्कि खुशहाली की राह दिखाआ है। पी.एम. आवास योजना के 4 करोड़ पक्के मकान बनाए जा चुके है और अगले पांच वर्षो में 3 करोड और मकानों के निर्माण का संकल्प लिया गया है। यदि आज आप गांवों की यात्रा करें तो पहले जहां खपरैल व घासफूस के घर दिखते थे अब वहां पक्के मकान खड़े है। सड़क नेटवर्क क्षेत्र में पहले जो सड़कें अधूरी व टूटी-फूटी रहती थीं वह अब हाइवे मे बदल चुकी हैं। यह आज के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का परिचायक है।
पुलवामा व हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले से सभी वाकिफ हैं। आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नेहवा - हवाई बातें नहीं की, बल्कि जो कहा वह करके दिखाया है। देश ने देखा कि किस तरह सेना ने घुस कर मारा। यह तभी संभव होता जब नेतृत्त मजबूत हाथो में हो, और कुछ कर दिखाने का जज्बा हो। मोदी सरकार ने देश की आंतरिक और वाह्य सुरक्षा फोकस करते हुए नक्सलवाद व आतंकवाद की कमर तोड़ने का काम किया है। पहले देश में 126 जिले नक्सल प्रभावित माने जाते थे जो अब घटकर 18 रह गए हैं। हिंसा मे 53 फीसद की कमी आई है। सुरक्षाबलों की हताहत संख्या में 72 फीद गिरावट दर्ज की गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत अब नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ रहा है।
संसदीय क्षेत्र सीधी के संदर्भ मेंः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे संसदीय क्षेत्र सीधी में एतिहासिक कार्य हुए हैं। ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना की आधारशिला 1985 मे रखी गई। बाद में परियोजना को ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया। केन्द्र मे कांग्रेस की सरकार होने और स्थानीय स्तर पर मजबूत व पहुंचवाले नेताओं के होने के बावजूद परियोजना को गतिमान बनाने एक धेला भी नही दिया गया। रेल परियोजना को गति देने का काम नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद हुआ है। ग्यारह वर्ष के प्रयास का नतीजा रहा की रीवा से सीधी और सिंगरौली तक रेल लाइन बिछाने का काम तेज है। जगह - जगह स्टेशन, पुल आदि का कार्य तेजी से हो रहा है। बघवार तक तो पिछले महीने ट्रायल मे रेल आ चुकी है। जिला मुख्यालय मे भी शीघ्र बहुप्रतीक्षित रेल पहुंचने वाली है। पिछले 40 वर्ष से ठप पड़ी रेल परियोजना को जहां मोदी सरकार ने सजीव कर दिखाया वहीं सीधी - रीवा मार्ग पर कैमोर पहाड़ मे विश्वस्तरीय सुरंग का निर्माण कराकर समूचे विंध्य को बड़ी सौगात दी है। सुरंग बन जाने से सीधी और रीवा के बीच आवागमन सुगम व रोमांचित हो गया है। संसदीय क्षेत्र मे इसके अलावा बेहतरीन नेशनल हाइवे निमार्णाधीन हैं। गांव - देहात भी सड़क, पेयजल, बिजली की सुविधा से युक्त हो गए हैं। सीधी - सिंगरौली में मेडिकल कालेज की स्थापना, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक संस्थानों की स्थापना ने शिक्षा के क्षेत्र को मजबूती प्रदान की है। साथ ही सिंचाई परियोजना की शुरुआत आदि ने किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने का काम किया है।

(लेखक, मध्य प्रदेश के सीधी से सांसद हैं।

आपातकाल विस्मृत न हो

डॉ. आशीष वशिष्ठ (हि.स.)

अंग्रेजों से आजाद होने के बाद भारत लोकतांत्रिक देश तो बन गया, लेकिन ठीक 25 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से थोपी गई इमरजेंसी में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ गई थी। 25 जून, 1975 की आधी रात अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए इंदिरा ने तानाशाही का ऐसा नमूना पेश किया, जो उस पीढ़ी के लोग अब भी नहीं भूल पाए हैं।
बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। इस कदम के बाद सदन में कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। संयोगवश, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने एक दिन पूर्व 24 जून को सदस्य के रूप में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां उठाई थीं।
ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए? क्या कांग्रेस कांग्रेस चाहती है कि आपातकाल पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। लेकिन आपातकाल के भुगतभोगी आम लोगों और नेताओं का मानना है कि अतीत की भूलों को विस्मृत करने से उनके दोहराए जाने का खतरा बढ़ जाता है।
वास्तव में कांग्रेस और उसके नेता आपातकाल की गलती को स्वीकार नहीं करते। अगर वह अपनी गलती स्वीकार करते तो वह यह कहने की हिम्मत जुटाते कि 49 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश पर आपातकाल थोपने और राजनीतिक विरोधियों, मीडिया एवं जनता के खिलाफ दमन का चक्र चलाना एक भूल थी।
कांग्रेस को आपातकाल की याद दिलाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह संविधान के खतरे में होने का फर्जी हौवा खड़ा कर उसके प्रति प्रतिबद्धता जताने में लगी हुई है। यह ठीक है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का संख्या बल बढ़ा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह दबे-छिपे स्वर में आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश करती दिखने लगे। उसकी यह कोशिश तो आपातकाल के स्मरण को और अधिक आवश्यक ठहराती है।
यदि वह संविधान के प्रति इतनी ही अधिक प्रतिबद्ध है तो फिर यह क्यों नहीं स्वीकार करना चाहती कि इंदिरा गांधी ने अपनी संसद सदस्यता खारिज किए जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए आपातकाल का सहारा लिया और इस क्रम में इसी संविधान को कुचला और उसकी प्रस्तावना को मनमाने तरीके से बदल दिया। नयी पीढ़ी तो आपातकाल की विभीषिका से बिल्कुल अपरिचित है। बातचीत के क्रम में इस पीढ़ी ने आपातकात शब्द जरूर सुना होगा लेकिन 25-26 जून, 1975 की रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल के दंश की कई पीढ़ियां भुक्तभोगी हैं।
आपातकाल के दौरान पूरा देश कारागार में परिवर्तित हो गया था। विपक्ष के सभी नेताओं को रात में ही जगा कर नजदीकी जेल में जबरन उन्हें डाल दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी सहित 26 संगठनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल के मुखर आलोचक रहे फिल्मी कलाकारों को भी इसका दंश झेलना पड़ा। किशोर कुमार के गानों को रेडियो और दूरदर्शन पर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देव आनंद को भी अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था।
आपातकाल की कहानी को बार-बार दोहराना इसलिए भी जरूरी है कि आज की युवा पीढ़ी कम से कम यह जान ले कि जो आजादी और स्वतंत्रता उसे अनायास मिली है, सहज सुलभ है, वह दरअसल कितने बलिदानों से मिली है और उसे कायम रखने के लिए कितनी लड़ाइयां हुई हैं! लोगों को पता चलना चाहिए कि संविधान की हत्या किसे कहते हैं।
पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के शब्दों में, "आपातकाल की घोषणा ने देश की लोकतांत्रिक संरचना को हिला कर रख दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था के कमजोर पक्षों पर व्यापक विचार विमर्श हुआ और देश ने दोबारा कभी भी इसे नहीं लगाए जाने का प्रण किया। यह प्रतिज्ञा तभी बनी रहेगी जब देश बार बार उस आपातकाल से मिलने वाले सबक को याद करता रहेगा। खास कर, युवाओं को आजाद भारत के उस काले अध्याय की जानकारी और उससे मिले सबक को जानना होगा।"
देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई।
संजय गांधी ने तब तक परिवार नियोजन का अभियान छेड़ दिया था। सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी।
तत्कालीन अटार्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कुबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। यदि स्टेट आज किसी की जान भी ले ले तो भी उसके खिलाफ कोई व्यक्ति कोर्ट की में नहीं जा सकता। ऐसे मामलों को सुनने के कोर्ट के अधिकार खत्म कर दिए गए हैं। ऐसा तो अंग्रेजों के राज में भी नहीं था। विलायती शासन में भी कम से कम जनता को कोर्ट में जाने की छूट तो मिली हुई थी।
आपातकाल की अवधि के दौरान सत्ता के दुरुपयोग, कदाचार और ज्यादतियों के विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेसी शाह की अध्यक्षता में शाह आयोग का गठन किया था। आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि आपातकाल के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों को निवारक हिरासत कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया था।
24 जून 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कहा- "जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा को समर्पित हैं, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते हैं, उनके लिए 25 जून न भूलने वाला दिवस है।"
इमरजेंसी के विरोध में केंद्र की बीजेपी सरकार ने हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। असल में, 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का मकसद संविधान की हत्या करने वालों और इस घटना से लोगों को हुई तकलीफों के बारे में आज की पीढ़ी को परिचित कराना है।
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ₹जब भी मैं निराशा होता हूं, तब इतिहास के पन्नों को पलटकर सत्य और प्रेम की जीत को दोहराने वाले तथ्यों का स्मरण करता हूं। इतिहास के पन्नों पर आतातायी और हत्यारे भी रहे हैं और कुछ पल के लिए वो अजेय भी दिखे लेकिन यह खास ख्याल रखें कि अंत में उनका खात्मा हुआ है। जीत हमेशा सत्य की हुई है।₹ हमें अपने कटु अनुभवों से सीख लेने की आवश्यकता है, ताकि न्यू इंडिया के सपने को साकार कर सकें।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

भारत में आध्यात्म एवं युवाओं के बल प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के नए संकेत

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं।

इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13,690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55,910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है।

भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है।

सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरूआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी।

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं।

इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। अतः अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्ज नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था। इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है।

अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25,000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं।

आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रगतिशील नीतियों के कारण ऐतिहासिक औद्योगिक क्रांति का साक्षी बन रहा है पंजाब: वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा

कहा, पंजाब सरकार मौजूदा उद्योगों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ राज्य में नए उद्योग लाने के लिए निरंतर प्रयासरत

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार की प्रगतिशील औद्योगिक विकास नीतियों के परिणामस्वरूप प्रदेश आज एक ऐतिहासिक क्रांति का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास को और तेज करने के लिए इस समय कई नई पहलकदमियां प्रक्रिया में हैं। एच.एम.टी. इंडस्ट्रियल पार्क और माया गार्डन ग्रुप द्वारा गत सायं संयुक्त रूप से आयोजित व्यापार मेले को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने हाल ही में लागू किए गए फास्ट ट्रैक सिंगल विंडो सिस्टम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह नवाचारी प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि आवश्यक परियोजनाओं की स्वीकृतियां 45 दिनों के भीतर प्रदान कर दी जाएं। यदि इस समय सीमा के भीतर स्वीकृतियां नहीं दी जातीं तो इसे स्वयं स्वीकृत मान लिया जाएगा और इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी।

राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार ने रजिस्टर्ड सेल डीड जारी करने के लिए रंगीन कोडेड स्टाम्प पेपर भी लागू किया है, जिसमें अब पहले से ही चेंज ऑफ लैंड यूज (सी.एल.यू.) स्वीकृति शामिल होती है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के तहत छह मुख्य विभाग - राजस्व, आवास एवं शहरी विकास, स्थानीय सरकारें, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन एवं वन्य जीव, तथा श्रम एवं फैक्ट्रियां द्वारा निर्धारित समय-सीमाओं के भीतर सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से पूर्व-स्वीकृतियों की प्रक्रिया कुशलतापूर्वक पूरी की जाती है।

वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि पंजाब सरकार ने पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम के माध्यम से प्लॉटों के क्लबिंग और डी-क्लबिंग के लिए एक व्यापक नीति को स्वीकृति दी है, जो भूमि उपयोग दक्षता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों द्वारा लंबे समय से की जा रही मांगों को पूरा करेगा, जिसमें परियोजनाओं के विस्तार के लिए साथ लगते प्लॉटों को मिलाने या बांटने की सहूलियत शामिल है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार लीजहोल्ड प्लॉटों को फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए एक नीति लाने की योजना बना रही है। सी.एल.यू. प्रक्रिया को सरल बनाने के राज्य सरकार के प्रयासों पर बल देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि स्टैंडअलोन उद्योगों के लिए अनुमत क्षेत्रों में सी.एल.यू. स्वीकृतियां प्राप्त करने की शर्त हटा दी गई है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण बदलाव ने राज्यभर में नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में हो रही देरी और जटिलता को काफी हद तक कम कर दिया है।

फास्ट ट्रैक सिंगल विंडो सिस्टम ने राज्य में औद्योगिक क्रांति लाई

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार की औद्योगिक विकास को अधिकतम प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों के दौरान ही औद्योगिक क्षेत्र को 180 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न केवल मौजूदा उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि राज्य के औद्योगिक वातावरण को मजबूत बनाते हुए नए उद्यमों को आकर्षित करने के लिए भी लगातार प्रयासरत है। राज्य सरकार की इन पहलकदमियों के लिए धन्यवाद करते हुए एच.एम.टी. समूह के सी.एम.डी. श्री मेघराज गर्ग ने कहा कि रेड जोनर में स्थित एच.एम.टी. इंडस्ट्रियल पार्क हर प्रकार के उद्योगों की स्थापना की अनुमति देता है। उन्होंने औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने और समय पर परियोजना स्वीकृतियों को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि लालडू स्थित एच.एम.टी. इंडस्ट्रियल पार्क उभरते उद्योगों के लिए एक हब के रूप में कार्य कर रहा है और एनएच 22, एनएच 72 और एनएच 73 से बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में एच.एम.टी. के निदेशक सुदर्शन सिंगला और माया गार्डन समूह के सी.एम.डी. सतीश जिंदल भी शामिल थे।

डिप्टी कमिश्नर ने मेथनॉल की कूरियर के माध्यम से बिक्री पर रोक लगाई

संवाददाता
जालंधर

खतरनाक रसायनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए, डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने जालंधर जिले में कूरियर सेवाओं के माध्यम से मिथाइल अल्कोहल (मेथनॉल) की बिक्री और डिलीवरी पर सख्ती से पाबंदी लगा दी है। इस जहरीले पदार्थ के अवैध व्यापार और संभावित दुरुपयोग के बारे में बढ़ती चिंताओं को देखते हुए यह निर्देश जारी किए गए है। एक समीक्षा बैठक के दौरान, डिप्टी कमिश्नर ने सभी सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट (एस.डी.एम.) को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में मेथनॉल की बिक्री और वितरण पर कड़ी नजर रखने और इसे विनियमित करने का निर्देश दिया। उन्होंने रसायन की अनधिकृत और बिना लाइसेंस वाली बिक्री, विशेषकर कूरियर सेवाओं की आड़ में होने वाली बिक्री को रोकने की महत्ता पर जोर दिया। डिप्टी कमिश्नर ने मेथनॉल का कारोबार करने वाले बिना लाइसेंस वाले व्यापारियों की पहचान करने, इसे स्टॉक करने और बेचने की अनुमति वाले लाइसेंसधारियों की एक अलग सूची तैयार करने और लाइसेंस प्राप्त फर्मों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेथनॉल की खरीद, बिक्री और स्टॉक का विवरण देने वाली मासिक रिपोर्ट सख्त निगरानी के लिए एस.डी.एम. को प्रस्तुत की जानी चाहिए। यह कदम क्षेत्र में जहरीले पदार्थों की अवैध बिक्री और दुरुपयोग को कंट्रोल करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

कमिश्नरेट जालंधर पुलिस ने शहर के प्रमुख स्थानों पर केंद्रित 'केसो' अभियान चलाया

संवाददाता
जालंधर

चल रहे ' युद्ध नशे के विरुद्ध ह्न पहल के हिस्से के रूप में, कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने सिटी जोन-1, जालंधर में कई प्रमुख स्थानों पर एक केंद्रित 'केसो' अभियान चलाया, जिसमें विशेष रूप से आपराधिक तत्वों और ड्रग तस्करी नेटवर्क के ठिकानों को निशाना बनाया गया।

पुलिस कमिश्नर, धनप्रीत कौर ने कहा कि यह अभियान डीसीपी (जांच), श्री मनप्रीत सिंह ढिल्लों और एडीसीपी-1, सुश्री आकर्षि जैन की देखरेख में संबंधित एसीपी द्वारा रणनीतिक तालमेल के साथ चलाया गया। एक व्यापक और समन्वित प्रयास सुनिश्चित करने के लिए सिटी जोन-1 डिवीजन की पुलिस टीमों को जुटाया गया था।

इस अभियान में ज्ञात ड्रग हॉटस्पॉट, विशेष रूप से तस्करों द्वारा ट्रांजिट प्वाइंट्स के रूप में उपयोग किए जाने वाले क्षेत्रों पर सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध छापे शामिल थे। संदिग्धों के घरों और आस-पास के परिसरों की गहन तलाशी ली गई। छिपे हुए प्रतिबंधित पदार्थ, विशेष रूप से नशीले पदार्थों की तलाशी पर विशेष ध्यान दिया गया। कानूनी अनुपालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आधिकारिक आईडी जांच के माध्यम से निवासियों की पहचान की पुष्टि सख्ती से की गई। किसी भी चल रही अवैध गतिविधि की जांच के लिए खाली और निर्जन क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया गया। यह पहल कानून और व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। सीपी जालंधर ने जोर देकर कहा कि जालंधर को एक सुरक्षित और नशा मुक्त शहर बनाने के निरंतर प्रयासों के तहत भविष्य में भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

संक्षिप्त-समाचार

बाईटेक सोलर और स्काईवर्थ भारत में इलेक्ट्रिक बसें करेगा असेंबल

चंडीगढ़। हरित और स्मार्ट सार्वजनिक परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, एक भारतीय स्वच्छ ऊर्जा कंपनी बाईटेक सोलर प्राइवेट लिमिटेड ने भारत में इलेक्ट्रिक बसों को असेंबल करने के लिए वैश्विक इलेक्ट्रिक व्हीकल ब्रांड स्काईवर्थ के साथ हाथ मिलाया है। यह साझेदारी 45-सीटर इलेक्ट्रिक बसों की असेंबली से शुरू होगी, जिसके अगले चरण में 55-सीटर वर्जन पेश करने की योजना है। मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करने और रोजगार सृजन के लिए इन बसों को यहीं बनाया जाएगा। लेकिन ये केवल इलेक्ट्रिक बसें नहीं हैं, - ये स्मार्ट भी हैं। प्रत्येक वाहन पूरी तरह से ट्रैक करने योग्य और दूर से निगरानी की जा सकेगी। जिससे प्रदर्शन, स्थान और सुरक्षा पर वास्तविक समय में अपडेट मिल सकेंगे। यह परिवहन प्रदाताओं और यात्रियों दोनों के लिए सुचारू संचालन और मन की शांति सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बाईटेक सोलर के एक प्रवक्ता ने कहा, ₹यह केवल बसों को असेंबल करने से कहीं अधिक है। यह भारतीय सड़कों के लिए एक स्वच्छ और अधिक कनेक्टेड भविष्य का निर्माण करने के बारे में है।₹ ह्नहमें स्काईवर्थ के साथ साझेदारी करने और इस वैश्विक तकनीक को अपने देश के करीब लाने पर गर्व है।ह्न चार्जिंग को परेशानी मुक्त बनाने के लिए, बाईटेक 320'ह तक के फास्ट चार्जिंग विकल्प भी प्रदान करेगा। जिसका अर्थ है कि बसें जल्दी से चार्ज हो सकती हैं और बिना किसी देरी के सड़क पर वापस आ सकती हैं। यह बसें शहर के आवागमन और लंबी यात्राओं के लिए आदर्श रहेंगी। स्काईवर्थ के वैश्विक इलेक्ट्रिक व्हीकल अनुभव और बाईटेक की भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत मौजूदगी, इस सहयोग से पूरे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बसों का पहला बैच इस साल के अंत में ट्रायल रन के लिए सड़कों पर उतरने की उम्मीद है। जो भारत के लिए एक हरित, स्मार्ट सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की दिशा में एक आशाजनक शुरूआत है।

सुपरटेक ईवी की पब्लिक इश्यू से रु. 29.90 करोड तक की धनराशि जुटाने की योजना

चंडीगढ़। भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार में अग्रणी कंपनीओं में से एक सुपरटेक ईवी लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 29.90 करोड तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 25 जून, 2025 को सब्सक्रीप्शन के लिए खुलेगा और 27 जून, 2025 को बंद होगा। कॉर्पोरेट मेकर्स कैपिटल लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है। रु. 29.90 करोड का आईपीओ पूरी तरह से रु. 10 के अंकित मूल्य के 32,49,600 इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है। इश्यू के लिए प्राइज बैंड रु. 87 - 92 प्रति शेयर है। इश्यू से प्राप्त राशि में से कंपनी रु. 16.50 करोड कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए, रु. 3 करोड कंपनीने लिए हुए कुछ उधारों के कुछ हिस्से के पुनर्भुगतान के लिए और शेष सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और इश्यू से संबंधित खर्चों के लिए उपयोग करने की योजना बना रही है। आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,200 शेयर है, यानि की रु. 92 प्रति शेयर के अपर प्राइज बैंड पर रु. 1,10,400 का न्यूनतम निवेश करना होगा। इश्यू के लिए रिटेल कोटा 47.51प्रतिशत, एनआईआई 47.47 प्रतिशत, क्यूआईबी 5.02प्रतिशत और मार्केट मेकर 5.02 प्रतिशत है। 2022 में स्थापित सुपरटेक ईवी लिमिटेड भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) मार्केट में अग्रणी कंपनियों में से एक है। कंपनी भारतीय उपभोक्ताओं की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाले इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स, कचरा निपटान वैन और लोडर की एक विस्तृत रैंज पेश करती है। कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 12 मॉडल शामिल हैं, जिसमें इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स के 8 वेरिएंट और ई-रिक्शा के 4 वेरिएंट शामिल हैं। कंपनी ने 445 डिस्ट्रीब्यूटर्स का डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क बनाया है और भारत के 19 राज्यों में इसकी उपस्थिति है, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश आदि शामिल हैं।

बीएलओ की भूमिका अहम: मतदाता सूची से लेकर वोटर स्लिप वितरण तक निभा रहे जिम्मेदारी: ए.श्रीनिवासन

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए.श्रीनिवासन ने कहा कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की अहम भूमिका होती है। त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करवाने से लेकर मतदाता को वोटर स्लिप पहुंचाने तक बीएलओ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बीएलओ को सशक्त और दक्ष बनाने के लिए नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र चुनाव प्रबंधन संस्थान में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। आज मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने बीएलओ प्रशिक्षण के 13वें बैच का विधिवत शुभारंभ किया। इस बैच में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड और चंडीगढ़ के कुल 379 बीएलओ व सुपरवाइजर शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बीते तीन महीनों में देशभर के 5000 से अधिक बीएलओ व सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। यह प्रशिक्षण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, मतदाता पंजीयन नियम 1960, चुनाव संचालन अधिनियम 1961 और भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुरूप चुनाव प्रक्रिया को बेहतर तरीके से संचालित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। बीएलओ को प्रशिक्षण के दौरान मतदाता पंजीकरण, फार्मों की समीक्षा और चुनावी प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षण में ईवीएम, वीवीपैट, मॉक पोल सहित आईटी उपकरणों के संचालन का तकनीकी प्रदर्शन भी शामिल होता है, जिससे बीएलओ डिजिटल संसाधनों का उपयोग दक्षता के साथ कर सकें।

भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलओ के लिए शुरू किया प्रशिक्षण कार्यक्रम, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया 13वें बैच का शुभारंभ

युद्ध नशों विरुद्ध के 114वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 126 नशा तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य में से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों पर शुरू किये गए ह्ययुद्ध नशों विरुद्धह्ल के 114वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 126 नशा तस्करों को गिरफ़्तार करके उनके कब्जे में से 5.3 किलो हेरोइन, 200 ग्राम अफीम और 8850 रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इससे सिर्फ.114 दिनों के अंदर गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 18,843 हो गई है।

यह आपरेशन डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निदेर्शों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक ही समय चलाया गया। जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिशनरों, डिप्टी कमिशनरों और एस. एस. पीज को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के हुक्म दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व अधीन 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई गई है। आपरेशन के विवरण देते हुये स्पैशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 99 गजटिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1500 से अधिक पुलिस कर्मचारियों के सम्मिलन वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 506 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 85 एफआईआरज दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 540 शक्की व्यक्तियों की जांच भी की।

5. 3 किलो हेरोइन बरामद

नशा छुड़ाने सम्बन्धी यत्नों के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 47 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का इलाज लेने के लिए राजी किया

स्पैशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में से नशों के खात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इनफोरसमैंट, डी- एडिकशन और प्रीवैंशन (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के तौर पर 47 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राजी किया है।

पंजाब के 17 जिलों में पहले ही बन चुके हैं अंबेडकर भवन, 5 अन्य जिलों में जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

पंजाब सरकार द्वारा तरनतारन में डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन के निर्माण के लिए 5.33 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत: डॉ. बलजीत कौर

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार अनुसूचित जातियों, पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के कल्याण और उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, तरनतारन जिले में बनाए जा रहे डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन के निर्माण के लिए 5.33 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी समाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मामलों की कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी।

उन्होंने बताया कि यह राशि चालू वित्त वर्ष में स्वीकृत की गई है, जो जल्द ही लोक निर्माण विभाग (बिल्डिंग्स) के मुख्य अभियंता के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी, ताकि भवन निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा सके।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि तरनतारन में डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन के निर्माण के लिए कुल 5.93 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट स्वीकृत हुआ था, जिसमें से 60 लाख रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं और शेष 5.33 करोड़ रुपये जल्द ही लोक निर्माण विभाग के खाते में ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। इस प्रकार भवन के निर्माण पर कुल 5.93 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। उन्होंने यह भी बताया कि तरनतारन में डॉ. अंबेडकर भवन की चारदीवारी का कार्य पूरा हो चुका है।

अनुसूचित जातियों, पिछड़ी श्रेणियों और गरीब वर्ग को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं देने के उद्देश्य से बनाए जा रहे हैं अंबेडकर भवन

उन्होंने आगे बताया कि पंजाब के 17 जिलों में डॉ. अंबेडकर भवन पहले ही बन चुके हैं, जहां एक ही छत के नीचे शोषित, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सिंगल विंडो के माध्यम से विभिन्न सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। शेष 5 जिलों – एस.ए.एस. नगर, बरनाला, फाजिल्का, पठानकोट और मलोट (मलेरकोटला) में अंबेडकर भवन के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है।

कैबिनेट मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तरनतारन में बन रहे डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन का निर्माण उच्च गुणवत्ता, पूरी पारदर्शिता और निश्चित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि इलाके के लोगों को जल्द से जल्द इस भवन की सुविधा मिल सके।

20,000 रुपए रिश्वत लेते हुए ब्लॉक समिति पटवारी विजीलेंस ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुरदासपुर में तैनात ब्लॉक समिति पटवारी निशान सिंह को 20,000 रुपए रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी गुरदासपुर के गांव बबरी नंगल की एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायतकर्ता, जो ग्राम पंचायत बबरी नंगल की मौजूदा पंचायत सदस्य है, ने विजिलेंस ब्यूरो को बताया कि उसके पति पिछले 50 वर्षों से गांव की साझा (शामलात) 25 एकड़ जमीन में से लगभग 22 कनाल और 11 मरले भूमि पर खेती कर रहे हैं और यह जमीन उनके नाम पर गिरदावरी में दर्ज भी है। शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि एक शिकायत के आधार पर, बीडीपीओ कार्यालय ने उन्हें इस संबंध में स्पष्टीकरण देने को कहा था। उन्होंने गांव के मौजूदा सरपंच से इस मामले को सुलझाने के लिए निवेदन किया, लेकिन पटवारी निशान सिंह ने विभागीय स्तर पर मामला हल करने के लिए 20,000 रुपए रिश्वत की मांग की। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और आरोपी निशान सिंह को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 20,000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो थाना, अमृतसर रेंज में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की आगे जांच जारी है।

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दरवाजा खटखटाया

कहा-अमेरिका को अपने हिसाब से जवाब दिया जाएगा

अमेरिका की आक्रामकता गैरकानूनी कृत्यः इरावानी

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान

फोटोः हि.स.

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दरवाजा खटखटाया है। ईरान के स्थायी प्रतिनिधि और संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि तेहरान के पास खुद का बचाव करने और अमेरिका और इजराइल के जबरदस्त आक्रमण का जवाब देने का वैध अधिकार सुरक्षित है।

ईरान की समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, इरावानी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में 15 सदस्यीय निकाय से ईरान के परमाणु स्थलों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के हमले का मुद्दा उठाया। उन्होंने निकाय से कहा कि अमेरिका की आक्रामकता गैरकानूनी कृत्य है। ईरान सिर्फ अपना बचाव कर रहा है। इन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस क्षेत्र में आतंकवाद का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान के विदेश मंत्री यूरोपीय नेताओं से बातचीत कर रहे थे। अमेरिकी कार्रवाई ने इस वार्ता को महत्वहीन कर दिया। ऐसे में ईरान वार्ता की मेज पर कैसे वापस आ सकता है? इरावानी ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके प्रॉक्सी इजरायल शासन के खिलाफ खुद का बचाव करने का अपना वैध और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है।

इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर से संबद्ध ईरान की सरकारी संवाद समिति 'तस्नीम न्यूज' के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका को ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी। तेहरान को प्रतिक्रिया के विकल्पों का सहारा लेने का अधिकार है।

उन्होंने रविवार को इस्तांबुल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला करके सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अपनी संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता से कभी समझौता नहीं करेगा। ईरान के खिलाफ अमेरिका के दावे राजनीतिक हैं। ईरान के आईआरजीसी कुद्स फोर्स के कमांडर शहीद कासिम सुलेमानी की हत्या आतंकवादी कृत्य है।

तेहरान और तेल अवीव में मिसाइल हमला, ट्रंप और स्टारमर ने फोन पर की बात

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन/लंदन,। अमेरिका के लड़ाकू विमान ईरान में काम तमाम कर वापस लौट गए। इस बीच आज सुबह इजराइल और तेहरान ने एक-दूसरे की सरजमीं पर मिसाइल हमला किया है। ईरान ने तेहरान में हवाई सुरक्षा चाक-चौबंद की है। इजराइल में मिसाइल हमले से पहले सायरन बजने से लोग घरों से निकलकर सुरक्षित आश्रय स्थलों की तरफ चले गए। बताया गया है कि मध्य पूर्व संकट पर अमेरिका ने ब्रिटेन से बात की है। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, अर्ध-आधिकारिक ईरानी मीडिया आउटलेट मेहर न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान ने सोमवार सुबह राजधानी तेहरान पर दोबारा हवाई सुरक्षा सक्रिय की है। इससे कुछ समय पहले ईरान ने इजराइल पर मिसाइल दागी। इसे इजराइल की हवाई सुरक्षा ने रोक दिया। इजराइली सेना का कहना है कि ईरान ने इजराइल पर मिसाइलों की बौछार की है। इजराइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सेवा मैगन डेविड एडोम के प्रवक्ता ने कहा कि हॉटलाइन पर लोगों के घायल होने की कोई कॉल नहीं मिली है। एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि ईरान ने केवल एक मिसाइल दागी। उसे निष्क्रिय कर दिया गया।

हिज्बुल्लाह ने ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों की निंदा की

बेरूत। लेबनान स्थित ईरान समर्थित सशस्त्र गुट हिज्बुल्लाह ने अमेरिका द्वारा ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों की तीव्र निंदा की है। संगठन ने इसे शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर बर्बर और विश्वासघाती हमलाऋ करार दिया। हिज्बुल्लाह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमला एक लापरवाह और खतरनाक उकसावे की कार्रवाई है, जो पूरे क्षेत्र में युद्ध के दायरे को और बढ़ा सकती है। संगठन ने ईरान और उसकी नेतृत्व व्यवस्था के साथ पूर्ण एकजुटताऋ व्यक्त की है। हिज्बुल्लाह को अक्टूबर 2023 से इजराइली सैन्य अभियानों के चलते भारी नुकसान झेलना पड़ा है, जिससे उसकी सैन्य क्षमता कमजोर हुई है। इसके बावजूद, संगठन ने अमेरिका के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए ईरान के साथ अपने गठजोड़ को दोहराया है।

ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना से ट्रंप ने नहीं किया इनकार

वाशिंगटन। ईरान ने अब तक यह नहीं साफ किया है कि अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने उसे किन-किन परमाणु सुविधा केंद्र को नष्ट किया है। अमेरिका के सीधे लड़ाई में कूदन से वह एक कोने में घिरा नजर आ रहा है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नेतृत्व में बदलाव का समर्थन करने से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस समय अधिकारी परमाणु स्थलों पर हमलों का आकलन कर रहे हैं। द वॉल स्ट्रीट जनरल अखबार ने इस घटनाक्रम का विश्लेषण किया है। इसमें कहा कि अमेरिका के ईरान के सबसे मजबूत परमाणु स्थलों पर हमला करने के बाद अब शासन के मौलवी नेताओं के सामने एक खतरनाक विकल्प है। मौलवी नेता अमेरिका पर पलटवार करें और दो दुश्मनों (इजराइल और अमेरिका) के साथ युद्ध को बढ़ाने का जोखिम उठाएं। या परमाणु वार्ता पर वापस लौटें। अखबार का कहना है कि परमाणु वार्ता पर वापस लौटने का मतलब यह होगा कि उन्हें संभवतः परमाणु संवर्धन और उनके बैलिस्टिक-मिसाइल शस्त्रागार पर रियायतें देनी होंगी। यही देश की संप्रभुता के दो स्तंभ हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी हमले के बाद अपनी पहली टिप्पणी में अमेरिका का उल्लेख कहीं भी नहीं किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में इजराइल पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि इजराइल ने एक गंभीर गलती की और इसकी उसे अभी सजा मिल रही है। इजराइल ने ईरान के सैन्य ढांचे के खिलाफ और हमलों की घोषणा की है। ईरान ने इजराइल की ओर एक और मिसाइल हमला किया है।

अमेरिकी हमले में ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र का बाल बांका नहीं बिगड़ा, तेहरान टाइम्स का दावा

तेहरान। तेहरान टाइम्स अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान के अंदर अमेरिकी बी-2 बमवर्षक विमान उड़ाए। वे ईरान के खिलाफ इजराइल के युद्ध में सीधे शामिल हुए। ईरान की तीन जगहों पर परमाणु सुविधाओं पर हमले किए। इसके बाद अपने सोशल ट्रुथ पर घोषणा की कि ईरान की प्रमुख परमाणु संवर्धन सुविधाओं को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है। तेहरान टाइम्स का दावा है कि ट्रंप अपने हमलों की प्रभावशीलता का आकलन करने में गलत हैं। अमेरिकी हमले में ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र का बाल बांका नहीं बिगड़ा है। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने एस्फाहान और नतांज परमाणु सुविधा केंद्र पर हला किया। इन पर पिछले शुक्रवार को इजराइल हमला कर चुका है। इस हमले के बाद यहां से समृद्ध यूरेनियम और महत्वपूर्ण संवर्धन तकनीक को स्थानांतरित कर दिया गया। भूमिगत फोर्डो परमाणु सुविधा केंद्र पर भी अमेरिका का हमला नया नहीं है। न ही परिणाम नया है। इसके पांच प्रवेश द्वार हैं। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि सिर्फ एक प्रवेश द्वार और एक निकास क्षतिग्रस्त हुआ है। फोर्डो का मुख्य सुविधा केंद्र एक पहाड़ में दर्जनों मीटर नीचे है। वह पूरी तरह सुरक्षित और बरकरार है। दूर से फोर्डो का वीडियो बनाने वाले स्थानीय निवासियों को भी कोई धुआं या आग नहीं दिखी।

नेपाल के वामपंथी दलों ने संयुक्त वक्तव्य में ईरान पर हमले के लिए अमेरिका की निंदा की

काठमांडू। नेपाल के वामपंथी दलों ने संयुक्त वक्तव्य में ईरान पर हमले के लिए अमेरिका की निंदा की है। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि अमेरिकी साम्राज्यवाद ने विश्व शांति पर हमला किया। संयुक्त वक्तव्य में अमेरिका के साथ इजराइल की भी निंदा की गई है। इसमें कहा गया है कि इजराइल अपनी विस्तारवादी नीति नहीं छोड़ रहा है। यह वक्तव्य नेपाल की माओवादी पार्टी सहित राष्ट्रीय जनमोर्चा, नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी, एकीकृत समाजवादी पार्टी, क्रांतिकारी कम्यूनिष्ट पार्टी जैसे एक दर्जन दलों ने जारी किया है। वामपंथी दलों ने नेपाल सरकार से हमले के विरोध में बयान जारी करने की मांग की है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय निकायों से अमेरिका पर दबाव बनाकर हस्तक्षेप करने की मांग की है।

बीजापुर में विस्फोटक के साथ पांच नक्सली गिरफ्तार

विस्फोटक सामग्री, नक्सली वर्दी, पिट्ठू, नक्सल साहित्य एवं दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद

एजेंसी (हि.स.)
बीजापुर

फोटोः हि.स.

जिले में नक्सलियों के द्वारा बीते एक सप्ताह में एक नाबालिग छात्र सहित पांच ग्रामीण युवकों की हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद जिले में सघन नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत तीन थाना क्षेत्रों मद्देड़, गंगालूर और जांगला में की गई कार्रवाई में कुल पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इन नक्सलियों के कब्जे से विस्फोटक सामग्री, नक्सली वर्दी, पिट्ठू, नक्सल साहित्य एवं दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई है। गिरफ्तार सभी पांच नक्सलियों के खिलाफ थाना मद्देड़, गंगालूर और जांगला में कार्रवाई उपरांत सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया है। थाना मद्देड़ पुलिस ने दुधेड़ा और दम्माया के बीच जंगल से एक नक्सली संजय मरपल्ली (36 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से विस्फोटक सामग्री, नक्सली वर्दी, पिट्ठू और अन्य आवश्यक सामग्री बरामद किया गया है। डीआरजी बीजापुर और गंगालूर थाना की संयुक्त टीम ने गश्त और सर्चिंग के दौरान नक्सल प्रभावित मुतवेंडी क्षेत्र से तीन नक्सली मिलिशिया सदस्यों कमलू ऊर्फ कलमू पूनेम (30 वर्ष) निवासी मुनगा मातापारा, कोसा भोगाम (45 वर्ष) निवासी मुनगा नयापारा एवं कोसा तामो (45 वर्ष) निवासी गमपुर माड़वीपारा को गिरफ्तार किया है। यह तीनों आरोपित 27 जुलाई, 2024 को मुतवेंडी के कच्चे रास्ते पर लगाए गए आईईडी विस्फोट की वारदात में शामिल थे। इसमें एक मासूम ईरमा कवासी गंभीर रूप से घायल हुआ था और उसे अपना पैर गंवाना पड़ा था। उनके कब्जे से कार्डेक्स वायर, इलेक्ट्रिक वायर, बैटरी आदि विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए। जांगला थाना की पुलिस ने एरिया डॉमिनेशन अभियान के दौरान छोटे तुमनार नयापारा जंगल से एक नक्सली मिलिशिया सदस्य सोनाधर पोड़ियाम (45 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक टिफिन बम, स्विच और पेंसिल सेल बरामद किया गया है।

ईरान पर अमेरिकी हमलों को लेकर वैश्विक प्रतिक्रिया तनाव कम करने की अपील, कूटनीति की वकालत

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/तेहरान

फोटोः हि.स.

अमेरिका द्वारा रविवार को ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों के बाद दुनिया भर के कई देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जहां कुछ देशों ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को लेकर चिंता जताई, वहीं अधिकांश देशों ने क्षेत्रीय तनाव को कम करने और वार्ता की वापसी की अपील की है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने स्थिति को "खतरनाक रूप से चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है और इसका असर आम नागरिकों, पूरे क्षेत्र और दुनिया पर पड़ सकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा, इस संकट का कोई सैन्य समाधान नहीं है, केवल कूटनीति ही रास्ता है। यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि ईरान परमाणु हथियार कभी हासिल न करे, यह वैश्विक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने अमेरिका के हमलों को समर्थन नहीं दिया लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर खतरा बताया। उन्होंने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बातचीत को प्राथमिकता दी। रूस ने हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए कड़ी निंदा की। रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने दावा किया कि कुछ देश ईरान को परमाणु हथियार देने के लिए तैयार हैं और अमेरिकी हमले ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को नहीं रोक सकते। इराक ने अमेरिका की कार्रवाई को क्षेत्रीय शांति के लिए गंभीर खतरा बताते हुए चेतावनी दी कि यह टकराव किसी एक देश की सीमाओं से बाहर फैल सकता है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी ने कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष का विस्तार गंभीर परिणाम" ला सकता है और शांति वार्ता की आवश्यकता पर बल दिया। सऊदी अरब ने अमेरिकी हमलों को लेकर 'गंभीर चिंता' व्यक्त की लेकिन खुलकर निंदा नहीं की। विदेश मंत्रालय ने सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव न बढ़ाने की अपील की है। कतर ने युद्ध की स्थिति पर खेद जताते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता अब और अधिक मानवीय संकट सहन नहीं कर सकती।

ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों और हमास ने अमेरिका की कार्रवाई को "इस्लामी दुनिया पर जायोनिस्ट-अमेरिकी दंभ कहा और जिहाद व प्रतिरोध का आह्वान किया। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने चेताया कि अमेरिका के हमले "एक ऐसा क्षेत्रीय युद्ध शुरू कर सकते हैं जिसे कोई देश नहीं झेल सकता। पाकिस्तान ने अमेरिकी कार्रवाई को "गंभीर रूप से परेशान करने वाला" बताया और कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है।

संक्षिप्त-समाचार

पॉपुलर टीवी शो 'अनुपमा' के सेट पर लगी भीषण आग

मुंबई। गोरेगांव फिल्म सिटी में टीवी के पॉपुलर सीरियल 'अनुपमा' के सेट पर सोमवार की सुबह अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में अनुपमा का सेट पूरा तरह जलकर खाक हो गया। फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मौके पर आग लगने के कारणों की छानबीन और मार्ग पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार गोरेगांव फिल्म सिटी में सीरियल 'अनुपमा' के सेट पर आज सुबह शूटिंग चल रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 5 बजे सीरियल के सेट पर आग लग गई, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया है लेकिन सेट पूरी तरह जल गया है, जिससे निमार्ता को भारी नुकसान हुआ है। उधर, अखिल भारतीय सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) के अध्यक्ष सुरेश श्यामलाल गुप्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर आग की घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। एआईसीडब्ल्यूए ने निमार्ताओं, प्रोडक्शन हाउस, टेलीविजन चैनल के साथ-साथ फिल्म सिटी के प्रबंध निदेशक और श्रम आयुक्त के खिलाफ आपराधिक एफआईआर दर्ज करने और यह पता लगाने के लिए गहन जांच की मांग की है कि क्या आग जानबूझकर निमार्ताओं द्वारा लगाई गई थी या चैनल ने बीमा का दावा करने के लिए अवैध रूप से इसका इस्तेमाल किया था।

ईरान की संसद ने होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने के पक्ष में किया मतदान, वैश्विक तेल संकट की आशंका बढ़ी

तेहरान। अमेरिका द्वारा ईरान पर सैन्य हमले के जवाब में ईरान की संसद ने एक कड़ा कदम उठाते हुए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को बंद करने के पक्ष में मतदान किया है। इस कदम ने वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ा दी है और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल की आशंका गहरा गई है। हालांकि यह मतदान बाध्यकारी नहीं है क्योंकि अंतिम निर्णय ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल द्वारा लिया जाएगा। लेकिन यह संकेत अवश्य देता है कि तेहरान अब अपने जवाबी कदमों में नरमी नहीं बरतने वाला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमलों के बाद पैदा हुआ तनाव अब वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को सीधे चुनौती दे रहा है। उस पर ईरानी सासंद के फैसले ने कच्चे तेल की कीमतों में 5 डॉलर तक की तत्काल वृद्धि की संभावना बढ़ा दी है। ऐसे में अगर यह समुद्री मार्ग बंद होता है, तो तेल कीमतों में बेतहाशा वृद्धि से दुनियाभर में महंगाई और आर्थिक अस्थिरता फैल सकती है। यह हालात वैश्विक मंदी की ओर ले जा सकते हैं। बतादें कि ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत पहले ही शुक्रवार तक 77 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुकी थी, जो कि जून के मध्य से अब तक 10% की वृद्धि को दशार्ता है। जानकारों का कहना है कि रविवार देर रात (यूके समयानुसार) जब वैश्विक बाजार खुलेंगे, तब इसमें और उछाल आ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी से बाहर निकलने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया की कुल तेल खपत का लगभग 20 फीसदी हिस्सा होकर गुजरता है। इस जलमार्ग की संभावित बंदी से न केवल कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि होगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

आईएसआईएस से संबंध के आरोप में तीन युवक गिरफ्तार

कोलकाता । दक्षिण कोलकाता के कस्बा इलाके में किराए के एक फ्लैट से तीन युवकों को आतंकी संगठन आईएसआईएस से कथित संबंध के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इन्हें रविवार देर रात गिरफ्तार किया। दिन के समय इन्हें हिरासत में लिया गया था और पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। तीनों को गहन पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाया गया है। सूत्रों के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली थी कि आईएसआईएस के कुछ संदिग्ध सदस्य कोलकाता में छिपे हुए हैं और वे सीधे सीरिया से संपर्क बनाए हुए हैं। इसी आधार पर दिल्ली से आई एक टीम ने कस्बा के राजडांगा इलाके में स्थित फ्लैट पर छापेमारी की। वहां रहने वाले तीन युवकों ने खुद को आईटी पेशेवर बताया था, लेकिन जांच में शक बढ़ता गया। फ्लैट की तलाशी के दौरान एजेंसियों को दो लैपटॉप मिले, जिनमें कई संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज पाए गए। पूछताछ में तीनों युवक बार-बार भटकाने वाले और असंगत उत्तर दे रहे थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली ले जाकर विस्तार से पूछताछ करने का फैसला लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि हाल के दिनों में आईएसआईएस एक बार फिर भारत में सक्रिय हो रहा है और उसने ऑनलाइन माध्यमों से नए सदस्य जोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, देश के विभिन्न राज्यों में आईएसआईएस से जुड़े स्लीपर सेल दोबारा सक्रिय हो रहे हैं। ये सेल ऐसे लोगों की तलाश कर रहे हैं जिन्हें आसानी से प्रभाव में लाया जा सके। इस नए ट्रेंड ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है और आने वाले समय में ऐसी गतिविधियों के खिलाफ और भी सघन जांच व निगरानी की जा सकती है। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय एजेंसियों ने जांच तेज कर दी है। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रांत प्रचारक बैठक दिल्ली में 4 से 6 जुलाई तक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक 4 से 6 जुलाई तक दिल्ली के केशवकुंज संघ कार्यालय में आयोजित होगी। बैठक में देशभर के संघ पदाधिकारी, प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा और आगामी शताब्दी वर्ष की योजनाओं पर विचार करेंगे। बैठक में वर्ष 2025-26 की सरसंघचालक की प्रवास योजना, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों के क्रियान्वयन और हालिया प्रशिक्षणों की समीक्षा की जाएगी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार, यह अखिल भारतीय बैठक 4 से 6 जुलाई तक दिल्ली के केशवकुंज में होगी। इसमें संघ के 11 क्षेत्रों के क्षेत्र प्रचारक एवं सह क्षेत्र प्रचारक और 46 प्रांतों के प्रांत प्रचारक एवं सह प्रांत प्रचारक शामिल होंगे। संघ प्रेरित विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी बैठक में भाग लेंगे। मार्च 2025 में हुई प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद अप्रैल, मई और जून में सम्पन्न हुए प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा तथा आगामी योजनाओं की रूपरेखा तय करने के लिए यह बैठक विशेष महत्व रखती है।

अमित शाह का छत्तीसगढ़ के नारायणपुर का दौरा रद्द

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर हैं। गृहमंत्री अमित शाह का नारायणपुर दौरा रद्द हो गया है। अब वो राजधानी रायपुर में ही सुरक्षा कमांडर्स से मुलाकात करेंगे और नक्सल विरोधी अभियानों पर चर्चा करेंगे। छत्तीसगढ़ प्रवास के पहले दिन वे नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के डीजीपी/एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज छत्तीसगढ़ के नारायणपुर के दौरे पर रहने वाले थे, लेकिन उनका ये दौरा रद्द हो गया है। गृहमंत्री शाह का दौरा नारायणपुर क्षेत्र में भारी बारिश के पूवार्नुमान के कारण रद्द कर दिया गया है। आज अमित शाह रायपुर में सुरक्षा कमांडर्स से मुलाकात कर नक्सल विरोधी अभियानों पर चर्चा करेंगे।

अंबुबासी मेलाः दूसरे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दर्शन की सुव्यवस्था के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी और स्वयंसेवक तैनात किए

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

फोटोः हि.स.

कामाख्या धाम में जारी अंबुबासी मेला के दूसरे दिन सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। देशभर से आए लाखों भक्त मां कामाख्या क्षेत्र में साधना में लीन हो गए हैं। श्रद्धालुओं, तांत्रिकों और साधुओं की टोली पर्व से जुड़ी पारंपरिक विधियों का पालन करते हुए विशेष अनुष्ठान कर रहे हैं। मंदिर प्रबंधन और प्रशासन ने दर्शन की सुव्यवस्था के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी और स्वयंसेवक तैनात किए हैं।

उल्लेखनीय है कि यह मेला तांत्रिक साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है और हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होते हैं। रविवार को प्रवृत्ति के साथ ही मां कामाख्या मंदिर का पट दर्शन और पूजन के लिए बंद होने के बाद साधना शुरू हो चुकी है। अंबुबासी मेले में आस्था और प्रकृति के चक्र का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। शक्ति की उपासना और तांत्रिक परंपराओं के जीवंत प्रतीक अंबुबासी मेले का आयोजन मां कामाख्या धाम, गुवाहाटी में पूरे श्रद्धा-भाव से चल रहा है। यह मेला न केवल धार्मिक मान्यता का केंद्र है, बल्कि सांस्कृतिक विविधता और अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण बन गया है। हर साल जून माह में मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय पर्व, मां कामाख्या के ऋतुकाल का प्रतीक है। मान्यता है कि इस दौरान देवी मां रजस्वला होती हैं, इसलिए मंदिर के गर्भगृह के द्वार तीन दिनों तक बंद रहते हैं। इन तीन दिनों में असम भर में खेती और धार्मिक गतिविधियां भी रोक दी जाती हैं। श्रद्धालु मानते हैं कि यह समय "धरती माता के विश्राम" का है, और उन्हें किसी भी प्रकार से विचलित नहीं किया जाना चाहिए। चौथे दिन, मंदिर का द्वार भव्य पूजा-अर्चना के साथ पुनः खोला जाता है। इस अवसर पर लाखों श्रद्धालु, साधु-संत, अघोरी और देश-विदेश से आए साधक मां के दर्शन के लिए एकत्र होते हैं।

इस वर्ष 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। राज्य सरकार ने इस भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन और विश्राम की व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। मंदिर परिसर इन दिनों एक अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा हुआ है। भस्म रमाए साधु, त्रिशूल लिए अघोरी, मंत्रोच्चार और तांत्रिक अनुष्ठानों के दृश्य एक विशिष्ट अनुभव रचते हैं, जो अंबुबासी को अन्य मेलों से अलग बनाते हैं।

मणिपुरः चार उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

एजेंसी (हि.स.)
इम्फाल

फोटोः हि.स.

मणिपुर में उग्रवाद पर लगाम कसने के लिए सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। इस दौरान न केवल भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं, बल्कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। मणिपुर पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि जिरीबाम थाना क्षेत्र के माखाबस्ती इलाके में चलाए गए सघन तलाशी अभियान में अत्याधुनिक हथियारों की एक बड़ी खेप पकड़ी गई। जब्त किए गए हथियारों में एम4 कार्बाइन, इंसास और एसएलआर राइफलें, देशी बंदूकें, एक ग्रेनेड और 220 से अधिक जिंदा कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा पीके जिलेटिन, कॉर्डेक्स वायर और खाली पम्पी बम जैसी विस्फोटक सामग्री भी मिली है। इसी तरह, 22 जून को इम्फाल ईस्ट जिले में एक खुफिया सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के चार सदस्यों– थिंगबाइजम फिलिप सिंह, राहत शिविर में रह रहे लौरेम्बम कुमार मैतेई, लैशराम हरिदास और युमनाम आकाश सिंह को गिरफ्तार किया गया। इनसे हुई पूछताछ के आधार पर पुलिस को पोरोमपट थाना अंतर्गत कालिका पहाड़ियों में छुपाया गया हथियारों का जखीरा मिला। दूसरी बरामदगी में चार एसएलआर, एक लाइट मशीन गन, संशोधित स्नाइपर राइफलें, ग्रेनेड, डेटोनेटर और 550 से अधिक कारतूस शामिल हैं। इसमें प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल होने वाले कारतूस और स्मोक ग्रेनेड भी पाए गए। इसके अलावा कई ट्यूब लॉन्चर और ग्रेनेड पार्ट्स भी बरामद हुए। एक अन्य कार्रवाई में मणिपुर पुलिस ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 35 वर्षीय सदस्य सनासम राजेश मैतेई को इम्फाल वेस्ट से गिरफ्तार किया।

गुजरात उपचुनावः विसावदर सीट से आआपा आगे, कडी में भाजपा की मजबूत स्थिति

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
गांधीनगर

गुजरात की विसावदर और कडी विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव की मतगणना जारी है। कडी विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार राजेंद्रकुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावडा बढ़त बनाए हुए हैं। वहीं विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी (आआपा) उम्मीदवार गोपाल इटालिया आगे चल रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, 11 राउंड की गिनती के बाद गुजरात की कडी विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार राजेंद्रकुमार को 49288 वोट मिले हैं। वह कांग्रेस उम्मीदवार से 21021 वोटों से आगे हैं। कांग्रेस के रमेशभाई चावड़ा 28267 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी उम्मीदवार गोपाल इटालिया आगे चल रहे हैं। आआपा उम्मीदवार भाजपा के किरीट पटेल से 5658 वोटों से आगे हैं। गोपाल इटालिया 38710 वोटों के साथ सबसे आगे हैं। दूसरे नंबर पर भाजपा उम्मीदवार 33052 वोटों के साथ तथा तीसरे नंबर पर कांग्रेस के नितिन रणपरिया 3750 वोट के साथ हैं। मतगणना के और भी राउंड अभी बाकी हैं। अंतिम नतीजों का इंतजार है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आज बलिदान दिवस

डॉ. मुखर्जी कश्मीर के विलय के दृढ़ समर्थक थे: यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आज बलिदान दिवस है। डॉ. मुखर्जी भारत की अखंडता और कश्मीर के विलय के दृढ़ समर्थक थे। उन्होंने अनुच्छेद 370 के राष्ट्रघातक प्रावधानों को हटाने के लिए भारतीय जनसंघ के माध्यम से हिन्दू महासभा और रामराज्य परिषद के साथ मिलकर सत्याग्रह आरंभ किया था। जिसके चलते डॉ. मुखर्जी 11 मई 1953 को कुख्यात परमिट सिस्टम का उलंघन करके कश्मीर में प्रवेश करते हुए गिरफ्तार कर लिए गए। गिरफ्तारी के दौरान ही विषम परिस्थितियों में 23 जून, 1953 को उनका स्वर्गवास हो गया था। पहले जनसंघ और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी उनके स्वर्गवास दिवस पर उन्हें हर वर्ष बलिदान दिवस के रूप में याद करती है। इसी तारतम्य में मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'भारतीय जनसंघ के संस्थापक, परम श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर उनके चरणों में सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आपने अखंड भारत के जिस संकल्प के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया, वह आज राष्ट्र के नवनिर्माण के साथ साकार हो रहा है। मां भारती की सेवा, लोककल्याण और

फोटोः हि.स.

कमजोर वर्ग के उत्थान की दिशा दिखाते आपके प्रखर विचार, चिंतन, सर्वांगीण विकास हेतु मार्गदर्शन गौरवशाली भारत के निर्माण के आधार हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। संसद में अपने भाषण में उन्होंनें धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू कश्मीर की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि "या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊंगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूंगा"। डॉ. मुखर्जी अपने संकल्प को पूरा करने के लिये 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू-कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहां पहुंचते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। जेल में उनकी मृत्यु ने देश को हिलाकर रख दिया और परमिट सिस्टम समाप्त हो गया। उन्होंने कश्मीर को लेकर एक नारा दिया था, "नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान" भारत माता के इस वीर पुत्र का जन्म 6 जुलाई 1901 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। इनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बंगाल में एक शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी के रूप में प्रसिद्ध थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक होने के पश्चात श्री मुखर्जी 1923 में सेनेट के सदस्य बने। अपने पिता की मृत्यु के पश्चात, 1924 में उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में नामांकन कराया। 1926 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए प्रस्थान किया जहां लिंकन्स इन से 1927 में बैरिस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की। 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए और विश्व का सबसे युवा कुलपति होने का सम्मान प्राप्त किया। श्री मुखर्जी 1938 तक इस पद को सुशोभित करते रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने अनेक रचनात्मक सुधार किये तथा इस दौरान 'कोर्ट एंड काउंसिल ऑफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलोर' तथा इंटर यूनिवर्सिटी बोर्ड के सक्रिय सदस्य भी रहे।

बुमराह ने किया इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त, भारत को 96 रनों की बढ़त

लीड्स टेस्ट: बुमराह के 5 विकेट के बाद राहुल की सूझबूझ भरी पारी

भारतीय पारी की सधी शुरूआत

एजेंसी (हि.स.)
लीड्स

भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले (लीड्स) में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच का तीसरा दिन जबरदस्त उतार-चढ़ाव से भरा रहा। जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड को पहली पारी में 465 रन पर समेट दिया, जिसके बाद केएल राहुल की नाबाद 47 रनों की पारी के दम पर भारत ने स्टंप्स तक दूसरी पारी में 2 विकेट पर 90 रन बना लिए हैं। इस तरह भारत की कुल बढ़त 96 रन हो गई है।

फोटोः हि.स.

तीसरे दिन इंग्लैंड ने 209/3 से आगे खेलना शुरू किया। ओली पोप ने 106 रनों की लाजवाब पारी खेली, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा ने उन्हें जल्दी चलता कर दिया। इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स 20 रन बनाकर आउट हो गए। हैरी ब्रूक को दो जीवनदान मिले और उन्होंने उसका भरपूर फायदा उठाते हुए 99 रन बनाए, लेकिन अपने शतक से एक रन पहले वह प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर शार्दुल ठाकुर को कैच थमा बैठे। निचले क्रम में जैमी स्मिथ (40) और क्रिस वोक्स (38) ने अहम योगदान दिया, जिससे इंग्लैंड की टीम 465 रनों तक पहुंच पाई।

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5 विकेट झटके, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को 3 और मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले ।पहली पारी में 6 रनों की मामूली बढ़त के साथ भारत ने दूसरी पारी की शुरूआत की, लेकिन ओपनर यशस्वी जायसवाल महज 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने संयम के साथ 66 रनों की साझेदारी की। हालांकि, साई सुदर्शन बेन स्टोक्स की माइंड गेम में फंस गए। पिछली ही गेंद पर जिस स्थान पर फील्डर लगाया गया था, वहां अगली ही गेंद पर कैच थमा बैठे। उन्होंने 30 रन बनाए। स्टंप्स के समय केएल राहुल 47 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए हैं, जबकि कप्तान शुभमन गिल 6 रन बनाकर उनके साथ हैं।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ललित उपाध्याय ने लिया संन्यास

हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी फॉरवर्ड और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ललित उपाध्याय ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत ने बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में 4-3 की जीत के साथ अपना सीजन खत्म किया, जिसके तुरंत बाद ललित ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले से सभी को अवगत कराया। ललित उपाध्याय ने भारत के लिए 183 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 67 गोल दागे। उन्हें भारतीय फॉरवर्ड लाइन का एक अहम और भरोसेमंद हिस्सा माना गया, जो अपनी बहुमुखी प्रतिभा, मैदान पर सूझबूझ और दबाव की घड़ी में संयमित खेल के लिए जाने जाते थे। 2014 हॉकी वर्ल्ड कप से पदार्पण करने वाले ललित ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक और पेरिस 2024 ओलंपिक में दोबारा कांस्य पदक जीतकर खुद को बड़े मुकाबलों का खिलाड़ी साबित किया। ओलंपिक के अलावा ललित भारत की 2016 एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप (जिसमें उन्होंने चार गोल किए), 2018 एशियाई खेलों (कांस्य), 2018 पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी (स्वर्ण), 2017 हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल (कांस्य) और 2018 एफआईएच चैंपियंस ट्रॉफी (रजत) जैसी कई अहम सफलताओं के भागीदार रहे। वे 2021-22 एफआईएच प्रो लीग में कांस्य और 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। भारतीय हॉकी में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें वर्ष 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संघर्षों से सफलता तक का सफर

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के छोटे से गांव से आने वाले ललित का सफर संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने रविवार रात अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, ऱयह सफर एक छोटे से गांव से शुरू हुआ, जहां संसाधन सीमित थे, लेकिन सपने अनंत। एक स्टिंग ऑपरेशन से लेकर ओलंपिक पोडियम तक पहुंचना- वह भी दो बार, यह यात्रा चुनौतियों, सीख और गौरव से भरी रही। मेरे शहर से 26 साल बाद कोई ओलंपियन बनना मेरे लिए गर्व और आभार का विषय है। ललित ने अपने संन्यास संदेश में अपने परिवार, कोच परमानंद मिश्रा, एयर इंडिया में मौका देने वाले हरिंदर, मेंटर समीर और धनराज, बीपीसीएल, अपने साथियों, हॉकी इंडिया और राज्य सरकार का आभार प्रकट किया। उन्होंने उल्लेख किया कि उन्हें डीएसपी पद की जिम्मेदारी भी गर्व से निभानी है। ललित ने अपने संदेश में टीम इंडिया के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को खासतौर पर याद करते हुए लिखा, हॉकी ने मुझे सबकुछ दिया और उसमें तुम (हरमनप्रीत) सबसे कीमती तोहफा हो, भाई। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने ललित के योगदान पर कहा, ऱललित अपने दौर के सबसे स्टाइलिश और समर्पित फॉरवर्ड में से एक रहे हैं। ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर हो या किसी लीग मैच में, उन्होंने हमेशा भारत के लिए गर्व और जज्बे के साथ खेला। वाराणसी की गलियों से ओलंपिक पोडियम तक की उनकी यात्रा प्रेरणादायक है। हम उनके योगदान के लिए आभार प्रकट करते हैं और उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

मैं अपनी राह खुद तय करता हूं, लोगों की बातों से नहीं :जसप्रीत बुमराह

एजेंसी (हि.स.)
लीड्स

लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले जसप्रीत बुमराह ने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 5 विकेट लेकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ हैं। ऑस्ट्रेलिया में चोटिल होने के बाद बुमराह के भविष्य को लेकर अटकलें तेज थीं, लेकिन उन्होंने मैदान पर वापसी उसी आत्मविश्वास के साथ की, जैसे उन्होंने खेल को छोड़ा था। लीड्स में रविवार को चौथे दिन के खेल की समाप्ति के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुमराह ने कहा, ऱमैं अपनी वापसी को लेकर कभी भी घबराया नहीं। लोग क्या लिखते हैं, इस पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं है। और ना ही मैं किसी को सिखाना चाहता हूं कि उनके हेडलाइन में मेरा नाम हो या नहीं। मैं जानता हूं कि क्रिकेट हमारे देश में बहुत लोकप्रिय है, और मेरा नाम लगाने से व्यूज बढ़ते हैं। लेकिन ये सब मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। अगर मैं इन सब

फोटोः हि.स.

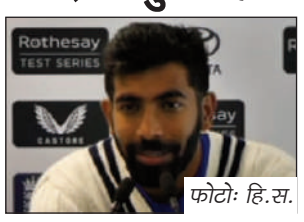

बातों को अपने दिमाग में बिठा लूं, तो मैं अपनी राह से भटक जाऊंगा बुमराह ने याद दिलाया कि जब उन्होंने क्रिकेट की शुरूआत की थी, तब भी लोग उन्हें लेकर शंका जताते थे। उन्होंने कहा, शुरू में कहा गया कि मैं टीम में नहीं आ पाऊंगा। फिर कहा गया कि छह महीने भी नहीं टिकूंगा। फिर आठ महीने और इस तरह मैंने 10 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बिता दिए। आईपीएल में भी 12-13 साल से खेल रहा हूं। अब भी लोग कहते हैं कि ये चोट शायद आखिरी होगी। मैं इन सबकी परवाह नहीं करता। मैं अपना काम करता रहूंगा। तीन-चार महीने में एक नई हेडलाइन आएगी, लेकिन मैं खेलता रहूंगा जब तक किस्मत में लिखा है।

मैंने टीम में अपनी जगह को लेकर हो रही चचाओं पर ध्यान नहीं दिया: पोप

लीड्स। इंग्लैंड की पहली पारी में शानदार शतक लगाने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ओली पोप ने कहा कि पिछले साल भारत के खिलाफ उसकी धरती पर खेली गई टेस्ट श्रृंखला में असफल रहने के बाद टीम में उनकी जगह को लेकर हो रही चचाओं पर ध्यान न देने से उन्हें वापसी करने में मदद मिली। इंग्लैंड के उप कप्तान पोप ने पिछले साल भारत के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में 196 रन बना कर शानदार शुरूआत की थी लेकिन इसके बाद जसप्रीत बुमराह और भारतीय स्पिनर ने उनकी कमजोरी का खुलासा करने में देर नहीं लगाई। वह अगले चार मैच में केवल 40 रन बना पाए जिससे टीम में उनकी जगह को लेकर चर्चा होने लगी थी। भारत के खिलाफ यहां पहले टेस्ट मैच में 106 रन बनाने वाले पोप ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने कोशिश की है कि इन चचाओं का मुझ पर ज्यादा असर न पड़े।

मैथ्यूज और फ्लेचर ने दिलाई वेस्टइंडीज को जीत, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी (हि.स.)
ओवल (बारबाडोस)

वेस्टइंडीज ने रविवार को कप्तान हेली मैथ्यूज की नाबाद अर्धशतकीय पारी (63*) और अफी फ्लेचर व करिश्मा रामहरक की घातक गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला सोमवार को खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरूआत अच्छी रही। कप्तान लौरा वोल्वाड्र्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने पहले विकेट के लिए 30 रन जोड़े। वोल्वाड्र्ट ने कुछ आकर्षक चौके लगाए लेकिन 16 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। हेली मैथ्यूज ने मरिजाने कैप को बिना खाता खोले आउट कर बड़ा झटका दिया। इसके बाद फ्लेचर ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए ब्रिट्स (14) को आउट किया और फिर नादिन डि क्लार्क (19) का भी विकेट लिया। करिश्मा रामहरक ने भी दो विकेट झटके। आखिरी ओवरों में

फोटोः हि.स.

अनेरी डर्कसेन (21*) और कराबो मेसो ने टीम को 113 रन तक पहुंचाया। 114 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरूआत भी अच्छी रही। किआना जोसेफ ने दो चौके लगाकर लय दी, जबकि मैथ्यूज धीरे-धीरे सेट होती गईं। जोसेफ के आउट होने के बाद कुछ विकेट जल्दी गिरे झ हेक्टर (3), कैंपबेल (7), और हेनरी (3) जल्द पवेलियन लौट गईं। हालांकि मैथ्यूज ने एक छोर संभाले रखा। आखिरी के ओवरों में जब टीम को 16 गेंदों में 12 रन चाहिए थे, तब उन्होंने खाका पर छक्का और चौका लगाकर मैच को लगभग खत्म कर दिया। अंत में जानिलिया ग्लासगो ने विजयी रन लगाए।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब विश्व कप में अल ऐन को 6-0 से हराया

अटलांटा। इल्के गुंडोगन के दो गोल और एरलिंग हालैंड के पेनल्टी पर किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने रविवार रात खेले गए मैच में अल ऐन को 6-0 से करारी शिकस्त देकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूनामेंट के नॉकआउट दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इस सत्र में अपना अभियान पटरी पर लाने की कवायद में लगे मैनचेस्टर सिटी की तरफ से क्लाउडियो एचेवेरी, ऑस्कर बॉब और रेयान चेर्की ने भी गोल किए। मैनचेस्टर सिटी इस सत्र में इंग्लिश प्रीमियर लीग में तीसरे स्थान पर रहा था जबकि यूईएफए चैंपियंस लीग के नॉकआउट प्लेऑफ में रियाल मैड्रिड से हार गया था। उसने क्लब विश्व कप के शुरूआती ग्रुप मैच में मोरक्को के विदाद पर 2-0 की जीत दर्ज करके अपने अभियान का शानदार आगाज किया था।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप : 10 खिलाड़ियों के साथ रियल मैड्रिड ने पचुका को 3-1 से हराया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के ग्रुप-एच मुकाबले में रियल मैड्रिड ने रविवार को मैक्सिकन क्लब पचुका को 3-1 से मात दी। यह जीत मैड्रिड के नए कोच जाबी आलोन्सो के लिए बतौर मैनेजर पहली जीत रही। यह मुकाबला अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना स्थित चार्लोट में बेहद गर्म मौसम के बीच खेला गया। मैच में रियल मैड्रिड को सातवें मिनट में ही झटका लगा जब डिफेंडर राउल एसेन्सियो को सोलोमन रोंडन को फाउल करने पर रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया।

इसके बावजूद 10 खिलाड़ियों वाली मैड्रिड टीम ने बेहतरीन जुझारूपन दिखाते हुए पहले हाफ में ही दो गोल कर बढ़त बना ली। मैच के 35वें मिनट में गोंजालो गार्सिया के त्वरित फ्लिक से फ्रान गार्सिया को गेंद मिली, जिन्होंने बेलिंगहम को पास दिया। बेलिंगहम ने शानदार तरीके से 15 गज की दूरी से गेंद को गोल में

फोटोः हि.स.

डालकर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद 43वें मिनट में एक और बेहतरीन मूव में ट्रेंट एलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के फर्स्ट-टच क्रॉस पर गार्सिया ने अरदा गुलर को पास दिया और गुलर ने कोई चूक नहीं की।

दूसरे हाफ में पचुका ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन थिबो कोर्टुआ की शानदार गोलकीपिंग के चलते उन्हें कामयाबी नहीं मिली। उन्होंने पूरे मैच में 10 बेहतरीन बचाव किए। हालांकि 80वें मिनट में एलियास मोंटिएल के डिफ्लेक्टेड शॉट ने एक सांत्वना गोल जरूर दिलाया। इससे पहले 70वें मिनट में फेडेरिको वाल्वर-डे ने स्लाइडिंग वॉली से गोल कर रियल की जीत सुनिश्चित कर दी।

स्वास्थ्य दर्पण

सिर्फ 40 मिनट की वॉक बना सकती है आपके दिमाग को तेज

क्या आप जानते हैं कि वॉक करने से आपके दिमाग का साइज बढ़ सकता है ।जी हां, एक स्टडी में यह बात साबित भी हुई है कि सिर्फ 40 मिनट की वॉक आपके दिमाग के उस हिस्से को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे याददाश्त तेज होती है। आइए जानें कैसे वॉक करने से दिमाग तेज बन सकता है। एक स्टडी में पता चला है कि वॉक करने से दिमाग का साइज बढ़ता है वॉकिंग बढ़ती उम्र में डिमेंशिया के खतरे को कम करता है वॉक करने से सेहत को और भी कई फायदे मिलते हैं आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हेल्थ का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, खासकर दिमागी सेहत का।

अक्सर उम्र बढ़ने के साथ याददाश्त कमजोर होने लगती है और भूलने की बीमारी, जैसे- डिमेंशिया या अल्जाइमर का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन एक नई स्टडी में कुछ ऐसा पता चला है, जो आपके दिमाग को तेज बनाने और भूलने की बीमारियों से बचाने में काफी मददगार साबित हो सकती है (हं’ृल्लॅ उंल्ल क्ल्लूर्शेरी इ१ंल्ल ख्री)। दरअसल, इस स्टडी के मुताबिक रोजाना सिर्फ 40 मिनट की वॉक आपके दिमाग को तेज बना सकती है और याददाश्त को मजबूत रखने में मदद कर सकती है।

वॉकिंग से दिमाग का आकार बढ़ता है

PNAS में पब्लिश हुई एक स्टडी के अनुसार, नियमित रूप से 40 मिनट की वॉक करने से हिप्पोकैम्पस (दिमाग का वह हिस्सा जो याददाश्त के लिए जिम्मेदार है) का आकार बढ़ सकता है। यह स्टडी 55 से 80 साल के लोगों पर की गई, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया। पहला ग्रुप नियमित रूप से स्ट्रेचिंग और टोनिंग एक्सरसाइज करने वाला था, तो वहीं दूसरा ग्रुप कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज, खासकर 40 मिनट की वॉकिंग हफ्ते में कम से कम तीन दिन करता था। इन दोनों ग्रुप के पार्टिसिपेंट्स के एमआरआई स्कैन में पाया गया कि वॉक करने वाले ग्रुप के हिप्पोकैम्पस का आकार औसतन 2% बढ़ गया, जबकि आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ यह सिकुड़ता है। इससे साबित होता है कि नियमित वॉकिंग न केवल याददाश्त को बनाए रखती है, बल्कि दिमाग को और भी तेज बना सकती है।

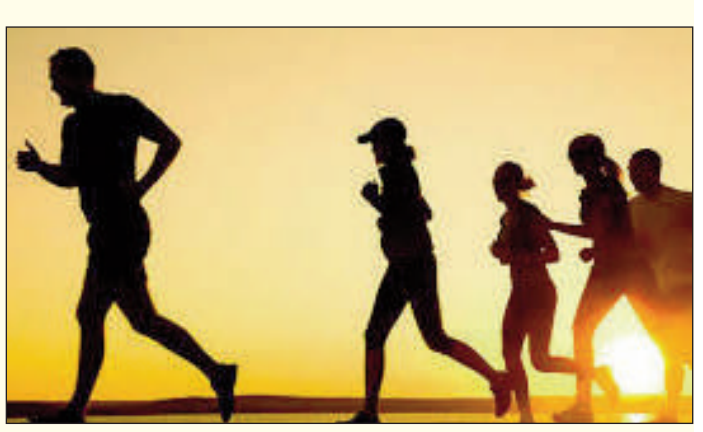

वॉकिंग करने के और क्या फायदे हैं?

ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है- वॉकिंग से शरीर में ऑक्सीजन और ब्लड फ्लो को बढ़ता है, जिससे दिमाग के सेल्स ज्यादा एक्टिव होते हैं। स्ट्रेस कम होता है- स्ट्रेस और एंग्जायटी याददाश्त को कमजोर करते हैं, लेकिन वॉकिंग एंडोर्फिन हार्मोन को बढ़ाकर मूड को बेहतर बनाती है। नींद की क्वालिटी सुधरती है- अच्छी नींद याददाश्त को मजबूत करने के लिए जरूरी है, और वॉकिंग से नींद अच्छी आती है।

पाचन ठीक रखना हो या बढ़ानी हो इम्युनिटी तो सुबह खाली पेट खाए पपीता

पपीता एक अत्यंत पौष्टिक फल है, जो पाचन तंत्र के लिए लाभकारी माना जाता है। सुबह खाली पेट इसका सेवन किया जाए तो इसके स्वास्थ्य लाभ और भी अधिक प्रभावी हो सकते हैं। पपीते में मौजूद पपेन नामक एंजाइम प्रोटीन को तोड़ने में मदद करता है, जिससे भोजन आसानी से पच जाता है। अच्छी सेहत चाहते हैं तो अपने खान-पान में सुधार कर लेना सबसे जरूरी है। आप जो कुछ भी खाते हैं उसका सेहत पर सीधा असर होता है यही कारण कि इस विषय पर ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। पाचन ठीक रखने से लेकर इम्युनिटी पावर बढ़ाने तक के लिए कई अध्ययनों में खाली पेट पपीता खाने के विशेष लाभकारी बताया गया है। पपीता न केवल आपकी पाचन शक्ति को बेहतर बनाता है बल्कि आपको पूरे दिन ऊजार्वान भी बनाए रखता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। पपीता में कई एंजाइम और पोषक तत्व होते हैं जो शरीर की सफाई और पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करते हैं। खासतौर पर अगर इसे खाली पेट सुबह खाया जाए, तो इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। पपीता एक अत्यंत पौष्टिक फल है, जो पाचन तंत्र के लिए लाभकारी माना जाता है। सुबह खाली पेट इसका सेवन किया जाए तो इसके स्वास्थ्य लाभ और भी अधिक प्रभावी हो सकते हैं। पपीते में मौजूद पपेन नामक एंजाइम प्रोटीन को तोड़ने में मदद करता है, जिससे भोजन आसानी से पच जाता है। साथ ही, इसमें भरपूर मात्रा में घुलनशील फाइबर होता है, जो आंतों की सफाई करता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। खाली पेट पपीता खाने से शरीर की डिटॉक्स प्रक्रिया तेज होती है, जिससे लिवर और पेट से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं। पपीता विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और बीटा- कैरोटीन से भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से त्वचा में निखार आता है और चेहरे पर प्राकृतिक चमक बनी रहती है। पपीता न केवल आपकी पाचन शक्ति को बेहतर बनाता है, बल्कि संतुलित दिनचर्या के लिए जरूरी ऊर्जा भी प्रदान करता है। हालांकि, कुछ लोगों को इससे थोड़ी एसिडिटी या पेट में जलन की शिकायत हो सकती है, खासकर यदि उनका पेट संवेदनशील हो। इसलिए सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए।

एनसीसी चंडीगढ़ ग्रुप द्वारा माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले कैडेट्स का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, चंडीगढ़ द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें माउंट एवरेस्ट जैसी विश्व की सर्वोच्च चोटी को फतह करने वाले साहसी एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर 2 चंडीगढ़ बटालियन एनसीसी की अंडर ऑफिसर पद्मा नामग्याल, 1 हिमाचल प्रदेश बटालियन एनसीसी की कैडेट कृतिका शर्मा तथा 2 आर एंड वी पंजाब स्क्वाड्रन एनसीसी की गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टर अनामिका चौधरी को उनके असाधारण साहस, दृढ़ संकल्प और परिश्रम के लिए सम्मानित किया गया। 18 मई 2025 को माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने वाली इन कैडेट्स ने न केवल एनसीसी बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है।इस समारोह की अध्यक्षता मेजर जनरल जे.एस. चीमा, अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय (पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़) ने की। उनके साथ ब्रिगेडियर विक्रम सिंह चौहान, वाईएसएम, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप चंडीगढ़ भी उपस्थित रहे। इन जांबाज कैडेट्स को स्मृति चिह्न, प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इन पर्वतारोहियों की यात्रा केवल माउंट एवरेस्ट तक सीमित नहीं थी। यह अभियान माउंट आबी गामिन के प्री-एवरेस्ट अभियान से शुरू हुआ, जिसके बाद नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (ठक्ट) में बेसिक पर्वतारोहण प्रशिक्षण, सियाचिन ग्लेशियर में कठोर शीतकालीन प्रशिक्षण, और फिर नेपाल के माउंट लबुचे पर चढ़ाई जैसे कठिन चरणों से होकर गुजरा।हर एक चरण ने उनकी शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और तकनीकी दक्षता को निखारा। इनकी उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर इन्हें 10-सदस्यीय एनसीसी सीनियर डिवीजन/विंग एवरेस्ट अभियान दल में चयनित किया गया, जिसने 3 अप्रैल से 18 मई 2025 के बीच एवरेस्ट पर सफल चढ़ाई की। यह चयन एक अखिल भारतीय प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया और गहन प्रशिक्षण के बाद हुआ था।इनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि को रक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सराहा, जिसमें वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह द्वारा नई दिल्ली में आयोजित विशेष सम्मान समारोह भी शामिल है। इन बहादुर कैडेट्स की सफलता न केवल उनके व्यक्तिगत साहस का प्रमाण है, बल्कि यह पूरे देश के युवाओं और एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह उपलब्धि यह संदेश देती है कि अनुशासन, समर्पण और अटूट जज्बे के साथ कोई भी शिखर अजेय नहीं होता।

रि-ओपन शिकायतों का जल्द निपटान करें अधिकारी: अतिरिक्त उपायुक्त

संवाददाता
पंचकूला

अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने आज लघु सचिवालय के सभागार में सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में मुनीलाल निवासी बतौड की गलत बिजली बिल को ठीक करवाने की शिकायत पर एक्सईएन, यूएचबीवीएन को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित सभी विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि अपने लेवल पर 30 दिन से लंबित शिकायत का संबधित विभाग जल्द से जल्द समाधान करें। उन्होने कहा कि उनके संज्ञान में 129 शिकायतें ऐसी आई हैं जो रि-ओपन हुई हैं उन शिकायतों का विभाग अपने स्तर पर काम पूरा करें लें ताकि आमजन को बार बार चक्कर न काटने पडें।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि समाधान शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जिले की जनता की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करना हैं। उन्होने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी स्वयं शिविर से जुडकर शिविरों में सुनी जा रही समस्याओं की मोनिटरिंग करते है।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि जिले की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार व वीरवार को उपायुक्त कार्यालय में प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होने बताया कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रापर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, नक्शे की मंजूरी, पैंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक नितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है।

अतिरिक्त उपायुक्त ने आज जिला के 13 लोगों की समस्याएं सुनी व संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश विश्वनाथ सिंह, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, आयुष विभाग, जिला परिषद, पीएचईडी विभाग, एमआई काडा विभाग, राजस्व विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बाल कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, मत्सय विभाग, पुलिस विभाग, माईनिंग, पीडब्लयूडी बीएंड आर, सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, यूएचबीवीएन, नगर निगम कालका व पंचकूला के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन ने तेल कंपनी द्वारा अनुसूचित जाति के डीलरों के साथ हो रहे भेदभावपूर्ण व्यवहार पर जाहिर की नाराजगी

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (पीपीडीए) ने पंजाब में हिंदुस्तान पेट्रोलियम से जुड़े अनुसूचित जाति (एससी) श्रेणी के पेट्रोलियम डीलरों द्वारा कथित उत्पीड़न और भेदभावपूर्ण व्यवहार के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की है।

चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पीपीडीए के प्रतिनिधियों ने पेट्रोलियम रिटेल सेक्टर में अनुसूचित जाति के उद्यमियों के उत्पीड़न के लिए कंपनी की उदासीनता को उजागर किया।

पीपीडीए के अध्यक्ष संदीप सहगल ने 2009 से संचालित एक एससी श्रेणी की डीलरशिप - सतगुरु फिलिंग स्टेशन, अबोहर, कोटकपुरा स्थित गुरु महिंद्रा फिलिंग स्टेशन, कोटकपुरा, जीरा स्थित पीतांबरा एचपी और अन्य मामलों का हवाला दिया, जिसमें कंपनी के अधिकारियों द्वारा शोषण, मनमानी कार्रवाई और अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया गया है। उन्होंनें कंपनी अधिकारियों पर आरोप जड़े कि वे इन डीलरों के साथ असहयोग पूर्ण रवैया रख उन्हें इतना वित्तीय घाटा दे देते हैं कि उन्हें अपने पेट्रोल पंप छोड़ने, औने पौने दामों में बेचने या फिर कंपनी द्वारा टर्मिनेट होने की कगार पर पहुंच जाते है। कंपनी अधिकारी मिली भगत के द्वारा इन पंपों को अपने करीबीयों को बेच गौरखधंधे में लिप्त हैं।

उन्होंने बताया कि पीपीडीए के महासचिव और सतगुरु फिलिंग स्टेशन के मालिक राजेश कुमार ने पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने अपने पंप की मैंनेंटेनेंस की शिकायतें और दस्तावेजी सबूत सौंपे हैं परन्तु बावजूद इसके कंपनी द्वारा अनसुना कर दिया गया और वे निरंतर घाटा सहते रहे।।पीपीडीए का दावा है कि कंपनी इन मुद्दों को पर्याप्त रूप से संबोधित करने में विफल रही है, जिससे अनियमितताएं बनी हुई हैं।

इस संबंध में, पीपीडीए ने पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग को भी अपनी चिंताओं से अवगत कराया है, जिसमें एचपीसीएल से पंजाब में एससी डीलरशिप की स्थिति के बारे में डेटा तलब करने का अनुरोध किया गया है।

पीपीडीए के अनुसार, राज्य आयोग को 13 एससी डीलरशिप की सूची प्रदान की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इन डीलरशिप को या तो बेच दिया गया है, समाप्त कर दिया गया है या उनके डीलरों ने अनुचित दबाव के कारण इस्तीफा दे दिया है। पीपीडीए ने राज्य आयोग से इन डीलरशिप की स्थिति की गहन जांच करने का आग्रह किया है।

राजेश कुमार ने कहा कि अबोहर का मामला एससी-श्रेणी के डीलरों के सामने आने वाली व्यापक प्रणालीगत चुनौतियों को दशार्ता है, जो उनकी सामाजिक-आर्थिक प्रगति में बाधा बन रहा है।

एसोसिएशन ने एनसीएससी से समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए एससी डीलरों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों की जांच में तेजी लाने का आग्रह किया।

अपनी पढ़ाई के साथ साथ सेवा-सिमरन-सत्संग में भी बढ़ चढ़ कर भाग ले

संवाददाता
चंडीगढ़

सन्त निरंकारी सत्संग भवन सैक्टर 30 में हुए निरंकारी बाल समागम के अवसर पर श्री पवन कुमार जी मुखी सैक्टर 40 ऐरिए ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित बच्चों और युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि हमें अपनी पढ़ाई पूरी मेहनत व लग्न से करनी है लेकिन इसके साथ-साथ सत्संग-सेवा-सिमरन में भी हमने पीछे नहीं हटना, ताकि सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के द्वारा दी जा रही शिक्षाओं को हम अपने जीवन में प्रयोग में ला सकें, इससे न केवल हमें दुनियावी सुख-सुविधाएं मिलेंगी बल्कि हमारा जीवन बहुत ही आनन्दमयी व्यतीत होगा।

बड़ों का आदर सत्कार करने की प्रेरणा देते हुए श्री पवन जी ने कहा कि हमने अपने घर में अपने माता-पिता व बड़ों का तथा स्कूल में अपने टीचर का हर समय आदर सत्कार करना है ।देखा देखी में किसी भी चीज को प्राप्त करने के लिए अपने माता पिता से जिद्द नहीं करने और उनकी आय के अनुसार ही खर्चे करने हैं क्योंकि माता-पिता को पहले से ही ज्ञात होता है कि उनके बच्चे को किस समय किस चीज की जरूरत है और वह उसके लिए बिना कहे ही अपनी ओर से प्रयत्न करते रहते हैं।

इस बाल समागम में बच्चों द्वारा सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की शिक्षाओं को अनेक भाषाओं का सहारा लेते हुए गीत, कविता, स्पीच व स्किट आदि के रूप में व्यक्त किया ।

इन आईटम्ज में बच्चों ने काम, क्रोध लोभ मोह अंहकार नफरत निन्दा वैर ईर्ष्या चतुर चालाकी आदि से दूर रहने और सद्गुणों अर्थात प्यार करूणा दया नम्रता सहनशीलता समदृष्टि आदि को अपनाने व हर समय परमपिता परमात्मा का एहसास करते हुए अपनी जिम्मेवारियों को निभाने बारे कई आईटम्ज पेश करके सभी श्रोताओं के मन को जीत लिया ।

इस अवसर पर यहां के जोनल इन्चार्ज, श्री ओ0 पी0 निरंकारी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई आईटम्ज की प्रशंसा करते हुए व उनके माता-पिता तथा उनके इन्चार्ज आदि का बहुत बहुत धन्यवाद किया तथा सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज से इन बच्चों को हर तरह के सुख प्रदान करने बारे प्रार्थना की ।

यहां के संयोजक श्री नवनीत पाठक जी ने भी सभी बच्चों, बच्चों के इन्चार्ज, सेवादल अधिकारियों व अन्य जिन्होंने भी इस बाल समागम में अपना सहयोग दिया का धन्यवाद किया और सत्गुरू माता सुदीक्षा जी से यही प्रार्थना की कि ये बच्चे बड़े हो कर न केवल अपने माता-पिता का नाम रोशन करें बल्कि सत्गुरू की शिक्षाओं का अपने कर्म द्वारा प्रचार करें ।

आने वाला समय आम आदमी पार्टी का: सुरेंद्र राठी

संवाददाता
पंचकूला

आम आदमी पार्टी द्वारा गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर शानदार जीत दर्ज की गई है। आम आदमी पार्टी लोकसभा अध्यक्ष अंबाला एवं प्रदेश प्रवक्ता सुरेंद्र राठी के नेतृत्व में लड्डू बांटकर जीत की खुशी का जश्न मनाया। पंजाब के लुधियाना से संजीव अरोड़ा ने उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को 10637 मतों से हरा कर बम्पर जीत दर्ज की व गुजरात में भाजपा के उम्मीदवार को 17554 वोटों से हराकर जबरदस्त जीत दर्ज की। सुरेंद्र राठी ने कहा कि मोदी के गढ़ में सेंध लगी है। सिर्फ ₹आप₹ ही बदलाव ला सकती है और लेकर आएगी।विधानसभा सीट्स पर विजयी का साफ संदेश है कि आने वाला समय आम आदमी पार्टी का होगा। सुरेंद्र राठी ने देश के कोने- कोने में काम कर रहे आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं को बधाई दी। देश की जनता को काम की सच्चाई और, ईमानदार की राजनीति को चुनने पर बधाई दी। यह जीत आम आदमी पार्टी की नीतियों, जनता के विश्वास और संगठन की मजबूत मेहनत का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक जीत के लिए आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकताओं का अथक मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इस अवसर पर माइनॉरिटी सेल के प्रधान साहिबदीन, राजवीर दलाल, महिला प्रधान वीनस ढाका, होशियार सिंह, ताराचंद कादियान, हरज्ञान सिंह, जगमोहन बढ्ढ, नसीब सिंह, युवा प्रधान मनमोहन रिंकू श्यामलाल, सोहनलाल, युवा सचिव विनोद कुमार, महावीर छिक्कारा, जसन धारीवाल, संजय भरद्वाज भी उपस्थित रहे।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कार्ड जारी

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (अइ&ढटखअ)के संयुक्त प्रयास से जिले में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष आयुष्मान कार्ड जारी किए जा रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत अब तक 70 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को यह कार्ड प्रदान किए जा चुके हैं, जिससे उन्हें 5 लाख तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा।

सिविल सर्जन मुक्ता कुमार ने बताया कि 70. आयु वर्ग के सभी नागरिक इस योजना के अंतर्गत पात्र होंगे। आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया द्वारा कार्ड बनाए जा रहे हैं। कार्ड जनरेशन हेतु ब्लॉक एवं जिला स्तरीय सरकारी अस्पतालों में आयुष्मान मित्रों की सेवाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। इन कार्डों के माध्यम से सरकारी एवं सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार संभव होगा।

जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया यह अभियान वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पंचकूला जिला प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र नागरिक इस सुविधा से वंचित न रहे।

कार्ड कैसे बनवाएं

पात्र व्यक्ति अपना आधार कार्ड व मोबाइल नंबर लेकर अपने निकटतम सरकारी अस्पताल, सीएससी सेंटर या विशेष शिविर में जाकर कार्ड बनवा सकते हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए आयुष्मान मित्र की मदद ली जा सकती है। यह पहल प्रधानमंत्री जी के ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका स्वास्थ्यह्व के विजन को साकार करने की दिशा में एक और ठोस कदम है।

संक्षिप्त-समाचार

दस हजार की रिश्वत लेते सिपाही गिरफ्तार

चंडीगढ़। एसीबी की गुरूग्राम टीम द्वारा कल दिनांक 22.06.2025 को आरोपी मुख्य सिपाही नरेन्द्र, आनन्द गार्डन पुलिस चौकी, थाना राजेन्द्रा पार्क गुरूग्राम को शिकायतकर्ता से 10,000/-रु (दस हजार रुपऐ) नकद रिश्वत लेते रंगे हाथो आनन्द गार्डन पुलिस चौकी, थाना राजेन्द्रा पार्क गुरूग्राम से गिरफ्तार किया गया तथा इस सम्बन्ध में आरोपी के विरूद्ध अभियोग संख्या 20 दिनांक 22.06.2025 धारा 7 पी.सी., एक्ट थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरूग्राम में दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने एसीबी गुरूग्राम को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि उसके विरूद्ध किसी व्यक्ति द्वारा लडाई-झगडे की शिकायत आनन्द गार्डन पुलिस चौकी थाना राजेन्द्रा पार्क, गुरूग्राम में दी है। इस शिकायत का विशलेषण मुख्य सिपाही नरेन्द्र उपरोक्त द्वारा किया जा रहा है। मुख्य सिपाही नरेन्द्र द्वारा उससे कहा गया कि यदि उसके द्वारा उसके पास विशलेषण के लिये लम्बित शिकायत पर समझौता करना है तो इसकी एवज में उसके द्वारा उससे 10,000/-रू. नकद रिश्वत की मांग की गई। उसके द्वारा यह भी कहा गया कि यदि उसने समझौता नही किया तो वह उसके विरूद्व अभियोग दर्ज कर देगा। आरोपी द्वारा पहले भी उससे 4,000/-रू. नकद रिश्वत राशी प्राप्त की गई है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर एसीबी, गुरूग्राम द्वारा कार्यवाही करते हुये आरोपी मुख्य सिपाही नरेन्द्र उपरोक्त को शिकायतकर्ता से प्राप्त की गई रिश्वत राशी 10,000/-रू. सहित रंगे हाथो गिरफतार किया गया है तथा उसके द्वारा पहले शिकायतकर्ता से ली गई 4,000/-रू. की रिकवरी भी मौका से की गई है।

साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। एसीबी, गुरूग्राम द्वारा दिनांक 23.06.2025 को अभियोगसंख्या 18 दिनांक 01.06.2025 धारा 201, 318(2), 316(2), 61, 270, 329(3) आदि के तहत थाना भ्रष्टाचारनिरोधक ब्यूरो, गुरूग्राम में आरोपी शेर मोहम्मद पुत्र ईशाक निवासी गांवबसई मेव, फिरोजपुर झिरका जिला नूंह को तफतीश के दौरान उसकेविरूद्ध साक्ष्य प्राप्त होने उपरान्त गिरफ्तार किया गया। आरोपी को आजदिनांक 23.06.2025 माननीय न्यायालय, नूंह में पेश किया गया। आरोपीअब 2 दिन के पुलिस रिमाण्ड पर है। पुलिस रिमाण्ड के दौरान गहनता सेपूछताछ की जायेगी। उक्त अभियोग माननीय सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में माननीय सर्वोच्च न्यायालयद्वारा सुनवाई करते हुये दिनांक 19.03.2025 को मामले की जांच करनेऔर चार सप्ताह के अन्दर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देष दिए।उएउ द्वारा दिनांक 15.04.2025 को अपनी रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय केसमक्ष पेश की, जिसमें उएउ द्वारा जांच रिपोर्ट के पैरा संख्या 17 में कुल10 रिमार्क्स की गई है, और जांच रिपोर्ट के पैरा संख्या 17 की के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरूग्राम द्वारा उक्त अभियोग दर्ज किया गया। आरोप है कि तत्कालीनसरपंच हनीफ उर्फ अन्ना ग्राम पंचायत बसई मेव खण्ड फिरोजपुर झिरकाजिला नूंह ने सरकारी अधिकारियों और खनन माफिया के बीच मिलीभगतकरके जिला नूंह के गांव बसई मेव की सीमा में वन विभाग की जमीन परअवैध तरीके से सडक के निर्माण करने बारे व एन.जी.टी. के आदेशो कीपालना ना करके खनन विभाग के अधिकारियो ने वाहन मालिको सेमिलकर वाहनो की इनवाईस की कीमत पर कटिंग करके झुठे शपथ पत्रदेकर सरकार को कम जुमार्ना भर कर वित्तीय हानि पहुचाई है।

सुरक्षित वाहन पॉलिसी के नियमों का पालन करवाना सुनिश्चित करें अधिकारी

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्यों ने स्कूल वाहन पोलिसी को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की

संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य श्री अनिल लाठर व श्री श्याम शुक्ला की अध्यक्षता में स्कूल वाहन पोलिसी को लेकर लघु सचिवालय के सभागार में आज आरटीओ, जिला शिक्षा अधिकारी, हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक के साथ बैठक हुई। उन्होने संबधित अधिकारियों को सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के नॉर्मस पूरे करवाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य श्री अनिल लाठर ने बताया कि जो वाहन बच्चों को स्कूल लाने व ले जाने में लगे हुए हैं और सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के नॉमर्स का पालन नहीं कर रहे हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उन स्कूलों को सुरक्षित वाहन पॉलिसी का पालन करवाना सुनिश्चित किया जाए। भले ही वाहन का ऑनर स्कूल या स्कूल मालिक ना हो।

आरटीओ सचिव श्रीमती हैरतजीत ने हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्यों को विस्तार से बसों की निरंतर चैकिंग के बारे में बताया कि वे जिले में ड्राईव चलाकर बसों की फिटनेस व अन्य दस्तावेजों को चैक करते हैं और नार्मस को पूरा न करने वालें स्कूल वाहनों के चालान व इम्पाउंड करते हैं। उन्होने बताया कि जनवरी 2024 से अप्रैल 2025 तक 932 स्कूल बसें चैक की गई और 48 बसों के नार्मस पूरे नही करने पर चालान किया गया और चालान के रूप में 4 लाख 30 हजार 500 रुपए की राशि एकत्रित की गई। उन्होने बताया कि आरटीए व एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया की संयुक्त टीम ने भी स्कूल बसों को चैक किया और उनके नामर्स पूरे नही करने पर चालान किया गया।

उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए सभी स्कूलों की बसों के फायर सेफटी किट, फर्स्ट एड किट, फिटनेस प्रमाण पत्र, स्कूल बसों में महिला केयर टेकर, ड्राईवर व कंडक्टर का फिटनेस का लेकर पत्र लिखें ताकि सभी स्कूल अपनी बसों में इन नियमों का पालन करना सुनिश्चित कर सकें इसके लिए सभी स्कूलों को पत्र द्वारा संदेश देने को कहा। उन्होने हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक को बसों में प्रैशर हार्न न लगवाने के निर्देश दिए और जिन बसों में प्रैशर हार्न लगे हुए हैं उनसे उतरवाने के निर्देश दिए।

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य श्री श्याम शुक्ला ने एसीपी पुलिस को स्कूल बसों की गंभीरता से चैकिंग करने के निर्देश दिए और नामर्स पूरे न पाए जाने पर ज्यादा से ज्यादा चालान करने के निर्देश दिए। उन्होने ड्राईवरों का भी 5 साल से ज्यादा गाडी चलाने का तजुर्बा व 3 से ज्यादा चालानिंग न होने को चैक करने के निर्देश दिए।

उन्होने आरटीए सचिव को भी अपनी टीम के साथ ड्राईव चलाकर स्कूल बसों की निगरानी व उनके ज्यादा से ज्यादा चालान करने व कागज पूरे न होने की स्थिति में ईम्पाउंड करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्यों को जिले में सभी स्कूली बसों को लगातार चैक करके और जो स्कूल बसें रोड पर चलने के नामर्स पूरे नही करती हैं उनको इंम्पाउंड व ज्यादा से ज्यादा चालान करने का आश्वासन दिया।

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य श्री श्याम शुक्ला व अनिल लाठर ने कहा कि जुलाई व अगस्त मे ंदो दिन वे स्वयं पंचकूला जिले की स्कूल बसों को चैक करने का पूरी टीम के साथ ड्राईव चलाएंगे और जो स्कूल बसें रोड पर चलने के नामर्स पूरे नही करती हैं उनके ज्यादा से ज्यादा चालान कर उन्हें इंम्पाउंड करेंगे।

इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका संयम गर्ग, एसीपी अजित सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ विकास गुप्ता, बाल संरक्षण अधिकारी निधि मलिक, रेडक्रास समिति की सचिव सविता अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।